पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 294

ग्वालियर, शनिवार, 18 दिसम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

वोटिंग मशीनों के अलावा किसी दूसरी प्रणाली को अपनाने का कोई भी प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने कहा कि देश में चुनाव के लिए वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के स्थान पर किसी दूसरी प्रणाली को अपनाने का कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग ने सूचित किया है, कि वोटिंग मशीन के दुरुपयोग का कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है। लोकसभा सदस्य सदाशिव लोखंडे ने सवाल किया था कि क्या सरकार की तरफ से कोई प्रस्ताव है कि विकसित देशों की तरह वोटिंग मशीन की जगह कोई दूसरी प्रणाली अपनाने का, इसके जवाब में रिजिजू ने कहा, ''ऐसा कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के मुताबिक इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन तकनीकी और प्रशासनिक सुरक्षा उपायोग के चलते पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बंदर के बच्चे का शिकार कुत्तों को पड़ा भारी, एक-एक कर मार दिए 250 कुत्ते के बच्चे

बीड। कहावत है कि खून का बदला खून और यह कहावत केवल इंसानों पर ही लागू होती हो ऐसा बिलकुल नहीं है यह जानवारों पर भी लागू होती है महाराष्ट्र के बीड जिले में ऐसा ही बंदरों के बदला लेने का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पिछले महीने कुत्तों ने बंदर के एक बच्चे को मार दिया था। इसके बाद से बंदरों ने बदला लेने के लिए कुत्तों के बच्चों को मारना शुरू कर दिया। पिछले एक महीने में बंदरों ने करीब 250 कुत्तों को ऊंचाई से फेंककर मार डाला है। अब उन्होंने छोटे बच्चों पर भी हमला शुरू कर दिया है। मामला बीड जिले के माजलगांव का है। यहां पिछले एक महीने से बंदरों ने आतंक मचाया हुआ है। उन्हें कुत्ते का कोई भी बच्चा नजर आने पर वह उसे उठा लेते हैं और फिर किसी ऊंचाई वाले स्थान से नीचे फेंक देते हैं। बताया जा रहा है कि बंदरों ने इस तरह पिछले एक महीने में कुत्तों के करीब 250 बच्चों को मार डाला है। माजलगांव से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित लवूल गांव है। करीब पांच हजार आबादी वाले इस गांव में अब कुत्ते का कोई बच्चा नजर नहीं आता है। बंदरों को दबोचने के लिए ग्रामीणों ने वन विभाग से भी संपर्क किया था। वन विभाग का अमला आया, लेकिन वह किसी भी बंदर को पकड़ने में नाकाम रहे।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी बोले- राहुल गांधी पार्ट टाइम पॉलिटिशियन, गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। राहुल गांधी को पार्ट टाइम पॉलिटिशियन है उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। यह बात केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। जोशी ने कहा कि संसद बहुत बड़ी पंचायत है, इसलिए हम लगातार उनसे सदन चलने देने की अपील कर रहे हैं, लेकिन वो कहां रहते हैं, क्या करते हैं किसी को भी पता नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी पार्ट टाइम पॉलिटिशियन हैं। वो राजनीति को गंभीरता से नहीं लेते हैं इसलिए उन्हें भी गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए बयान को लेकर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि अपने बल पर एक भी चुनाव नहीं लड़ने वाले चिदंबरम, प्रधानमंत्री मोदी पर ऐसी टिप्पणी कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चिदंबरम जब भी सांसद बने हैं, डीएमके या एआईएडीएमके के साथ गठबंधन की वजह से ही बने हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री के रूप में देश की अर्थव्यवस्था और गृह मंत्री के रूप में सुरक्षा व्यवस्था को गर्त में ले जाने का ही काम पी. चिदंबरम ने किया है।

तीसरे दर्जे का वकील कहने पर पत्रकार को एक महीने की जेल

नई दिल्ली। एक वकील को तीसरे दर्जे का बताना एक पत्रकार को भारी पड़ गया है और इस गलती के लिए उसे एक महीने जेल की सजा भुगतनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि का दोषी पाए गए पत्रकार की याचिका को खारिज कर दिया है। उसे एक महीने की कैद की सजा सुनाई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्य कांत ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई और कहा, आपने किसी को तीसरे दर्जे का वकील कहा। आप इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हो और दावा करते हो कि तुम पत्रकार हो। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) की अगुआई वाली बेंच में शामिल जस्टिस हिमा कोहली ने कहा, अपने लेख की भाषा देखो।

देश में 100 के पार हुए ओमिक्रोन के मामले

नई दिल्ली। देश में ओमिक्रोन के कुल मामले 100 के पार हो गए हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक प्रेस कान्फ्रेंस कर कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन को लेकर अपडेट दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने पीसी कर बताया कि देश में ओमिक्रोन के कुल मामले 101 हो गए हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वभर में 91 देशों में ओमिक्रोन के मामले सामने आ चुके हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ली परेड की सलामी

हर्षोल्लास से मनाया गया मप्र. पुलिस का स्थापना दिवस

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश पुलिस स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री होने के नाते मुझे प्रदेश पुलिस पर गर्व है। प्रदेश के निर्माण से अभी तक 877 पुलिसकर्मियों ने जनसुरक्षा के लिए शहादत देकर एक महान परंपरा डाली है। सभी टॉस्क पुलिस ने सफलतापूर्वक पूरे किए। सिंहस्थ की सफलता में पुलिस ने उल्लेखनीय योगदान दिया, कानून व्यवस्था के साथ नागरिक संबंधों का भी कुशलता से निर्वहन किया। कोरोना काल में पुलिस का काम गर्व से भर देने वाला रहा। मुझे आशा है प्रदेश की पुलिस देश में सर्वश्रेष्ठ काम करके दिखाएगी। मध्यप्रदेश शांति का टापू है इसके पीछे पुलिस का परिश्रम और निष्ठा है। डॉयल-100 से रीयल टाइम पुलिस कार्यवाही संभव हुई। महिला सशक्तिकरण के लिए पुलिस भर्ती में 30 प्रतिशत महिला आरक्षण दिया। इन महिला पुलिसकर्मियों का शौर्य भी त्वरित कार्यवाहियों में दृष्टिगोचर होता है।

पुलिस के प्रयासों से डकैत समस्या लगभग पूर्णतः उन्मूलित हो गई है। अपराध नियंत्रण में है। हमें महिला सुरक्षा को और सुदृढ़ करना है। ड्रग्स माफियाओं को पूरी तरह नेस्तानाबूद करना है। सायबर क्राइम की सभी संभावनाओं को समाप्त करना है तथा नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह आश्वस्त हूँ प्रदेश सुरक्षित है। प्रशासनिक दक्षता के साथ कर्तव्यपथ पर चलते रहें। यह दिवस आत्म-निरीक्षण का भी है। पुलिस का यश और गौरव गाथा निरंतर रहे। अगला स्थापना दिवस कार्यक्रम और भी व्यापक स्वरूप में मनाया जाएगा। गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने सभी को पुलिस स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पुलिस ने कई उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इस वर्ष 904 माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्यवाही की गई। त्वरित विवेचना कर दुष्कर्म के आरोपियों के 38 केसों में फांसी की सजा दिलाई गई। पुलिस कोरोना काल में अपनी जान की परवाह किए बगैर चौराहों पर भी हम सबकी प्राण रक्षा के लिए सदैव खड़ी रही।

उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस पर इस बात का उल्लेख करना प्रासंगिक है कि आप सब पुलिस अधिकारी और कर्मचारी समाज में होने वाले अपराध, हिंसा, लालच और असहिष्णुता की वृत्तियों से भली-भाँति परिचित हैं। तकनीकी विकास के कारण साइबर अपराध जैसी गतिविधियाँ बढ़ने लगी हैं। ऐसे में आपकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

सायबर अपराध, महिलाओं तथा अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के लोगों के प्रति बढ़ते अपराधों की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये और अधिक सक्षम होकर कारगर प्रयास करने की आवश्यकता है। पुलिसकर्मियों को सायबर अपराध और महिलाओं एवं बच्चियों के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिये सबसे पहले स्वयं की व्यवसायिक दक्षता बढ़ानी होगी। नये तरीके से होने वाले अपराधों को रोकने के लिये पुलिसकर्मियों को सतत् रूप से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। आप सब विधि को सर्वोपरि मानते हुए अपने कर्तृत्वों का निर्वहन करें। इसी में समाज का हित निहित है। कोविड-19 के विश्वव्यापी संक्रमण के दौर में पुलिसकर्मियों ने जन सेवा की प्रतिबद्धता को प्रमाणिकता से पूरा किया है। पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी ने कहा कि आज मध्यप्रदेश पुलिस स्थापना दिवस के रूप में हम हमारे गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास की स्मृतियों को समारोह के रूप में मना रहे हैं। सर्वप्रथम 1854 में नागपुर क्षेत्र के प्रथमतः नियुक्त कमिश्नर मानसेल ने पुलिस को पुनर्गठित करने की प्रक्रिया को प्रारंभ किया था। समय के साथ हुए परिवर्तन स्वरूप एक नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश का गठन हुआ। जिसमें पुराने सी.पी.एण्ड बरार राज्य के 17 जिलों (महकौशल), विंध्य प्रदेश, भोपाल राज्य, राजस्थान के कोटा जिले के सिरोंज अनुभाग तथा मध्यभारत को समाहित किया गया। सी.पी.एण्ड बरार का सुसंगठित पुलिस प्रशासन और उसकी अनुशासित परम्परायें नये मध्यप्रदेश राज्य को धरोहर के रूप में मिलीं और विलीन इकाईयों की अनेक समस्याएं भी। नये मध्यप्रदेश में विलीन सभी इकाईयों की पुलिस व्यवस्थाओं को मिलाकर एक समन्वित पुलिस ढाँचा तैयार करना उस समय की तात्कालिक आवश्यकता थी।

बिहार में सब रजिस्ट्रार के घर छापा, 500 और 2000 रुपये की कई गड्डियां मिली

समस्तीपुर। बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ स्पेशल विजिलेंस यूनिट की कार्रवाई लगातार जारी है।इसी कड़ी में शुक्रवार को आय से अधिक संपत्ति के मामले में समस्तीपुर के सब रजिस्ट्रार

मनी रंजन के खिलाफ छापेमारी की जा रही है।सब रजिस्ट्रार के 3 ठिकानों (समस्तीपुर, पटना और मुजफ्फरपुर) पर हुई छापेमारी में बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। समस्तीपुर के सब रजिस्ट्रार मनी रंजन ने सरकारी पद पर रहते हुए अवैध तरीके से आय से अधिक 1.62 करोड़ रुपये की संपत्ति जमा की थी।अब इसे स्पेशल विजिलेंस यूनिट के अधिकारियों ने जब्त कर लिया है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसयूवी) ने सब रजिस्ट्रार रंजन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(बी), आर/डब्ल्यू 13 (13)(डी), आर/डब्ल्यू धारा 12 और आईपीसी की धारा 120बी के तहत मामला दर्ज किया था।इसके बाद स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने विशेष कोर्ट से सब रजिस्ट्रार के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति मांगी थी।अनुमति मिलने के बाद शुक्रवार की सुबह एक साथ तीन जगहों (समस्तीपुर, पटना और मुजफ्फरपुर) पर छापेमारी शुरू की गई। छापेमारी अभियान के दौरान काफी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

मध्य प्रदेश में आज शांति का राज है: नरोत्तम मिश्रा

भोपाल। मध्य प्रदेश में आयोजित पुलिस स्थापना दिवस के कार्यक्रम में गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में आज शांति का राज है। बीते 15 महीने में 84 लाख रुपए के

इनामी नक्सलियों को या तो खत्म कर दिया या फिर गिरफ्तार किया है। पुलिस जवानों को आउट ऑफ टर्न दिए गए। गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब कांग्रेस की सरकार में तो नक्सलियों ने मंत्री को मार दिया था। उनकी सरकार में चारों दिशाओं में लगभग अशांति का माहौल था। उन्होंने कहा कि वे नेता प्रतिपक्ष से चर्चा करेंगे, क्योंकि वे गुरुवार को बालाघाट में थे। वह पुलिस की आलोचना कर रही थी लेकिन हम उन्हें बताना चाहते हैं कि 15 महीने में पुलिस का राज आया और शांति कायम हुई। मंत्री ने कहा कि एक भी नक्सल घटना नहीं हुई है। सभी तरह के संगठित अपराधों का खात्मा हुआ है। प्रदेश में सिर्फ कुछ छोटी-मोटी घटनाएं होती हैं तो हमारे पुलिस जवान वहां भी पूरी मुस्तैदी से तैनात नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जवानों को आउट टर्न ऑफ प्रमोशन देकर सम्मानित किया गया है।

हिमाचल में शीतलहर से बढ़ी ठिठुरन, अटल टनल के पास चला बर्फीला तूफान

शिमला सहित 8 क्षेत्रों में पारा माइनस से नीचे लुढ़का

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कड़ाके की ठंड का कहर बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के आठ इलाकों में पारा माइनस से नीचे लुढ़क गया है। शीतलहर से ठिठुरन बढ़ी है और ठंड प्रचंड हुई है। गुरुवार को लाहौल स्पीति में बर्फीला तूफान आया। अटल टनल के नोर्थ पोर्टल के पास बर्फीले तूफान में गाड़ियां फंस गई थी, जिन्हें पुलिस जवानों ने निकाला है। हालांकि किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए हिमाचल प्रदेश के कई भागों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। जानकारी के

अनुसार, लाहौल स्पीति में ब्लैक आइसिंग के साथ बर्फीला तूफान अटल टनल से गुजरने वाले वाहनों के लिए परेशानी का सबब बन गया था। इस दौरान 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बर्फानी हवाएं चली। लाहौल पुलिस की मदद से सभी पर्यटक वाहनों को सुरक्षित निकाल कर मनाली भेजा गया। एसपी लाहौल-स्पीति मानव वर्मा ने बताया कि दोपहर बाद अटल टनल होकर गुजरने वाले वाहनों को नार्थ पोर्टल के समीप बर्फीले तूफान से सामना करना पड़ा। तूफान की गति इतनी तेज थी कि कई वाहन चलते-चलते हिलने लगे और दृश्यता भी कम हो गई थी। पुलिस जवानों ने जान जोखिम में डालकर सभी सैलानियों को सुरक्षित अटल टनल पार कर मनाली तक रवाना किया है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से हिमाचल प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में आ गया है।

न्यूज़ ट्रैक....

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगी प्लिसकोवा

मेलबर्न । चेक गणराज्य की महिला टेनिस खिलाड़ी कैरोलिना प्लिसकोवा अगले साल की शुरुआत में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में नहीं खेलेंगी। प्लिसकोवा ने हाथ में चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन और दो अभ्यास टूर्नामेंटों से नाम वापिस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए ट्वीट किया, 'आपके जल्दी स्वस्थ होने की कामना करते हैं। वहीं प्लिसकोवा ने इससे पहले सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अभ्यास के दौरान मेरे दाहिने हाथ में चोट लग गई। अब एडीलेड, सिडनी और ऑस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेल सकूंगी। ऑस्ट्रेलिया ओपन 17 जनवरी से शुरू हो रहा है। वहीं इससे पहले रोजर फेडडर और सेनेना विलियम्स ने भी इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापसी ले लिया था।

डीआरएम कार्यालय में पंकज आडवानी का स्वागत

भोपाल/इन्दौर । पद्म भूषण से सम्मानित 24 बार के वर्ल्ड चैम्पियन पंकज आडवानी का गुरूवार राजधानी भोपाल के डीआरएम कार्यालय में आयोजित एक समारोह में स्वागत किया गया। डीआरएम भोपाल सौरभ बंधोपाध्याय ने कार्यालय में पंकज का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर डिविजनल स्पोटर्स आफीसर व सीनियर डीईएन गौरव मिश्रा, रेलवे के अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता स्नूकर खिलाडी कमल चावला, प्रदीप याज्ञनिक विशेष रूप से उपस्थित थे। बंधोपाध्याय ने पंकज को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप देश के खिलाड़ियों के लिए एक रोल मॉडल हैं। उन्होंने पंकज आडवानी व कमल चावला से रेलवे के खेलों और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतु चर्चा भी की। पंकज आडवानी द्वारा दिए सुझावों से रेलवे के खेलों और खिलाड़ियों को भविष्य में लाभ होने का आश्वासन भी दिया गया। उल्लेखनीय है कि पंकज आडवानी इस समय भोपाल में खेली जा रही सीनियर नेशनल बिलियडर्स व स्नूकर चैम्पियनशिप में भाग लेने भोपाल आये हैं।

फ्लावर बन सकते हैं लखनऊ टीम के कोच

कोलकाता । जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 सत्र में लखनऊ टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं। फ्लावर ने हाल ही में पंजाब किंग्स के सहायक कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। वहीं फ्लावर के साथ ही गत सत्र में पंजाब के कप्तान रहे लोकेश राहुल भी लखनऊ टीम से जुड़ सकते हैं। लखनऊ टीम के एक अधिकारी ने बताया, 'हम कई नाम सुन रहे हैं। आज ही किसी ने लिखा कि गैरी कर्स्टन कोच बनने जा रहे हैं। हम कुछ लोगों से बातचीत कर रहे हैं पर अभी तक कोई करार नहीं हुआ है , इसलिए हम कुछ नहीं कह सकते। फ्लावर 2020 आईपीएल से पहले पंजाब टीम से जुड़े और मुख्य कोच अनिल कुंबले के साथ पिछले दो सत्र में रहे थे।

भारतीय क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका पहुंची, 26 से शुरू होंगे मैच

जोहानिसबर्ग । भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंच गयी है। भारतीय टीम अपने इस दौरे में विराट कोहली की कप्तानी में 26 दिसंबर से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कप्तान कोहली और सहित खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए ट्वीट किया कि दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए हैं। भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेलेगी। वहीं कोविड-19 के नए वैरिएंड ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए दोनों टीम पूरी श्रृंखला के दौरान जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में ही रहेंगी। टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की कमी खलेगी। रोहित मांसपेशियों में आये खिंचाव के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हैं। उनकी जगह युवा बल्लेबाज प्रियांक पंचाल को शामिल किया गया है। इस दौरे में भारतीय टीम का लक्ष्य पहली बार दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीतना रहेगा। कप्तान विराट कोहली के साथ ही आजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के लिए भी यह सीरीज बेहद अहम है। विराट का बल्ला पिछले काफी समय से नहीं चला है, ऐसे में उन्हें रन बनाने होंगे। वहीं खराब फार्म से गुजर रहे पुजारा और रहाणे को देखना होगा कि अंतिम ग्यारह में भी जगह मिलती है या नहीं। टेस्ट सीरीज का पहला मैच बॉक्सिंग डे पर सेंचुरियन में खेला जाएगा जबकि बाकि के दो टेस्ट जोहानिसबर्ग और केपटाउन में खेले जाएंगे।

बीसीआई ने सफर का वीडियो किया शेयर

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मुंबई से जोहान्सबर्ग तक के पूरे सफर का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है कि टेस्ट कप्तान विराट कोहली सीनियर पेसर ईशांत शर्मा के साथ मजाक कर रहे हैं, जबकि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और मध्यमक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर एक साथ हंस रहे हैं। वहीं चेतेश्वर पुजारा और अंजिक्य रहाणे भी काफी खुश नजर आ रहे हैं। वीडियो में अफ्रीका में पहुंचने पर भारतीय टीम का स्वागत भी नजर आ रहा है।

पंत और अनुष्का शर्मा ने भी शेयर किया वीडियो

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जो एक झील के किनारे का है। वहीं अनुष्का शर्मा ने भी उसी झील के किनारे का खूबसूरत वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया। ये नजारा टीम इंडिया के होटल के पास का है।

प्रो कबड्डी लीग के लिए नितेश कुमार ही रहेंगे यूपी योद्धा के कप्तान

ग्रेटर नोयडा । यूपी योद्धा फ्रेंचाइजी ने नितेश कुमार को 22 दिसंबर से बेंगलुरु में शुरू होने जा रहे प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सत्र के लिए भी अपना कप्तान बनाये रखा है। इससे पहले सातवें सत्र में भी नितेश कुमार ही टीम के कप्तान थे। नितेश के नाम एक सत्र में 100 अंक हासिल करने वाले पहले डिफेंडर होने का रिकॉर्ड है जो इन्होने 2018 के पीकेएल सीजन 6 बनाया था जिसके लिए इन्होनें सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का खिताब भी अपने नाम किया था। आगामी सत्र में अपनी टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार नितेश के नाम पीकेएल में काफी शानदार रिकार्ड्स भी हैं। उन्होंने 67 मैचों में कुल 224 अंक अर्जित किए थे और इसी कारण वह पीकेएल के इतिहास में सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं। नितेश ने कहा, पिछले सत्र की तरह इस सत्र के लिए भी यूपी योद्धा के कप्तान के रूप में घोषित होना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है, इससे निश्चित रूप से मेरे कंधों पर कुछ और जिम्मेदारियां आएंगी हालांकि दूसरी तरफ मैं अपनी टीम का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित भी हूं। हमारे पास हमेशा एक मजबूत डिफेन्स रहा है लेकिन इस साल प्रदीप नरवाल और जेम्स के रूप में कुछ घातक रेडरों के जु?ने से मुझे उम्मीद है कि हम इस बार ज़रूर खिताब अपने नाम करने में सफल होंगें। आगामी सत्र की तैयारियों पर नितेश ने कहा, 'हम आने वाले सीज़न के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से एक टीम के तौर पर अच्छी तरह से तैयार हैं।

गांगुली ने विराट के बयान पर प्रतिक्रिया से किया इंकार

बीसीसीआई सही तरीके से मामले को हल करेगी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने टेस्ट कप्तान विराट कोहली के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गांगुली ने कहा है कि बीसीसीआई सही तरीके से इस मामले को इल करेगी। विराट ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि बोर्ड अध्यक्ष ने उन्हें टी20 कप्तानी नहीं छोड़ने की कोई बात नहीं कही थी। वहीं इससे पहले गांगुली ने कहा था कि विराट से कहा गया था कि वह कप्तान बने रहें पर उन्होंने इंकार कर दिया था। इसके बाद सीमित ओवरों का एक कप्तान चाहिये था, इसलिए विराट की जगह रोहित शर्मा को ही एकदिवसीय का भी कप्तान बनाया गया। गांगुली ने कहा, %मैं इसको लेकर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, हम सही तरीके से इस मामले को हल करेंगे, इसे आप बीसीसीआई पर ही छोड़ दीजिए। वहीं टी20 विश्व कप 2021 से पहले विराट ने घोषणा कर दी थी कि वह भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान बने रहेंगे, लेकिन इस टूर्नामेंट के बाद टी20 टीम की कप्तानी नहीं करेंगे। इसके बाद जब उन्हें एकदिवसीय टीम की कप्तान से हटा दिया गया तभी से विवाद बढ़ता गया है। गांगुली ने यह भी कहा था कि रोहित को एकदिवसीय कप्तान बनाए जाने को लेकर चयन समिति और बीसीसीआई की विराट से बात हुई थी। वहीं विराट ने कहा था कि उन्हें एकदिवसीय कप्तानी को लेकर पहले से कुछ नहीं कहा गया था। बैठक से ठीक पहले ही उन्हें इस बारे में जानकारी दी गयी थी। वहीं दूसरी बात यह कि विराट ने साफ कहा कि उन्हें कभी भी टी20 कप्तानी के फैसले को बदलने के लिए नहीं कहा गया था। साथ ही कहा था कि

सिंधु विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हुएल्वा । भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु स्पेन में जारी विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप (बीडब्लूएफ) के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने राउंड ऑफ 16 में जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की ही अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा है। सिंधु ने महिला एकल के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय खिलाड़ी ने पोर्नपावी को लगातार गेमों में 21-14, 21-18 से हराया। अब सिंधु का सामना अगले मुकाबले में चीनी ताइपे की ताई जू यिंग से होगा। वहीं दूसरी ओर पोनप्पा और सिक्की की भारतीय जोड़ी महिला युगल के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में थाईलैंड की जोंगकोलफन किथिथाराकुल और राविंदा प्राजोंगजय की जोड़ी के सामने टिक नहीं पायी। थाई खिलाड़ियों ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए पोपन्ना और सिक्की को 21-13, 21-15 से हराया।

तीन से 14 मार्च तक भारत में होगी सैफ चैंपियनशिप

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा है कि अगले साल महिलाओं की अंडर-18 और अंडर-19 सैफ चैंपियनशिप का आयोजन भारत में होगा। सैफ अंडर-18 चैंपियनशिप का आयोजन तीन से 14 मार्च तक होगा जबकि सैफ अंडर-19 प्रतियोगिता 25 जुलाई से तीन अगस्त तक खेली जाएगी। भारतीय टीम अभी ढाका में महिला सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में खेल रही है। बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मेजबान भारत सैफ अंडर-18 महिला चैंपियनशिप में भाग लेंगे। पांच टीमें राउंड रोबिन प्रारूप में एक दूसरे से खेलेगी। जिसके बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। सैफ अंडर-19 प्रतियोगिता में छह टीम भाग लेंगी। भारत के अलावा भूटान, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका की टीम भी इस टूर्नामेंट में शामिल होगी। छह टीम को तीन-तीन टीम के दो समूहों में रखा जाएगा। ग्रुप चरण राउंड रोबिन प्रारूप के अनुसार होगा जिसमें सभी टीमें एक दूसरे से एक बार खेलेंगी।

व्यापारन्यूज

रुपया डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 76.23 पर खुला

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में नरमी और विदेशी कोष की निरंतर निकासी के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 76.23 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरुप ओमीक्रोन को लेकर बढ़ती चिंताओं और आर्थिक पुनरुद्धार पर इसके प्रभाव तथा साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती से रुपया पर नकारात्मक असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय में डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर रुख के साथ 76.23 पर खुला। यह पिछले बंद के मुकाबले 14 पैसे की नरमी दर्शाता है। गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 76.09 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत फिसलकर 95.97 पर पहुंच गया।

सोने में तेजी, चांदी की कीमत में गिरावट

मुंबई । वैश्विक बाजारों में सोने की कीमत में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। काफी दिनों से न्यूयॉर्क में सोना 1800 से नीचे कारोबार कर रहा था, जो अब उसके पार चला गया है। वहीं दूसरी ओर भारत के वायदा बाजार में सोने की कीमत 49 हजार रुपए प्रति दस ग्राम के करीब पहुंच गई हैं। आने वाले दिनों में इसके 50 हजार तक पहुंचने के आसार दिखाई दे रहे हैं। वास्तव में अमरीकी फेड रिजर्व ने अगले साल से ब?याज दरों को बढ़ाने के सयंकेत दिए हैं और डॉलर इंडेक्स में कमजोरी देखने को मिल रही है। उसकी वजह से सोने की कीमत में तेजी का माहौल बना हुआ है। वहीं चांदी में आज मामूली गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स मार्केट में सोने का भाव 5.40 डॉलर की तेजी के साथ 1803.60 डॉलर प्रत? ओंस पर कारोबार कर रहा है। जबकि चांदी की कीमत महज 4 सेंट्स गिरकर 22.44 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रही है। यूरोपीय बाजार में सोना 3.50 यूरो प्रति ओंस की तेजी के साथ 1591.64 यूरो प्रति ओंस पर कारोबार कर रही है। जबकि चांदी की कीमत 19.80 यूरो प्रति ओंस पर है। वहीं दूसरी ओर भारतीय वायदा बाजार में चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद चांदी के दाम 61151 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

बैंकों की निजीकरण करने के सरकार के फैसले का बैंक कर्मचारी कर रहे विरोध

बैंकों में हड़ताल के पहले दिन 18,600 करोड़ के चेक नहीं हुए क्लीयर

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के करीब नौ लाख कर्मचारियों ने सरकारी बैंकों के निजीकरण के विरोध में गुरुवार को दो दिन की हड़ताल शुरू की। हड़ताल के पहले दिन देश भर में बैंकों में कामकाज नहीं हुआ। इन बैंकों के ग्राहकों को बैंको का कामकाज बंद होने की वजह से डिपॉजिट और विड्राल, चेक भुनाने और कर्ज मंजूरी जैसी सेवाएं के ठप होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस कारण करीब 16800 करोड़ रुपए के चेक क?लीयर नहीं हो पाए। सरकारी बैंकों में शुक्रवार को भी हड़ताल रहेगी। हड़ताल अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी), अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) और राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी संगठन (एनओबीडब्ल्यू) सहित नौ बैंक संघों के मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने बुलाई है। कर्मचारी चालू वित्त वर्ष में दो और सरकारी बैंकों की निजीकरण करने के सरकार के फैसले के खिलाफ हड़ताल कर रहे हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में दो सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। ग्राहकों को हड़ताल की जानकारी देने के साथ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया जैसे सरकारी बैंकों की कई शाखाएं गुरुवार को बंद रहीं। कर्मचारी संघों ने बताया कि सरकारी बैंकों के अलावा पुरानी पीढ़ी के निजी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कुछ कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी तक सभी वर्ग के अधिकारी दो दिन की इस हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम के मुताबिक पहले दिन 18,600 करोड़ रुपये के 20.4 लाख चेक से जुड़ा लेनदेन नहीं हो सका। भारतीय स्टेट बैंक सहित सरकारी बैंकों ने ग्राहकों को पहले ही सूचित कर दिया था कि हड़ताल के कारण उनकी शाखाओं में सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। वेंकटचलम ने कहा कि सरकारी बैंक सामान्य रूप से हमारे देश के आर्थिक विकास में और विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों और देश के पिछड़े क्षेत्रों के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करते हैं। सरकारी बैंकों ने कृषि, लघु व्यापार, लघु व्यवसाय, लघु उद्योग, छोटे पैमाने के उद्योगों (एसएसआई), परिवहन और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में एक अहम भूमिका निभायी है। महाराष्ट्र में सरकारी बैंकों के करीब 60,000 कर्मचारियों ने हड़ताल में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि मुंबई के आजाद मैदान में 5,000 बैंक कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल में यूएफबीयू के समन्वयक गौतम नियोगी ने दावा किया कि राज्य में पूर्ण हड़ताल रही। एआईबीओसी के महासचिव संजय दास ने कहा कि अगर सरकार सरकारी बैंकों के निजीकरण का विचार नहीं छोड़ती है तो दो दिन की हड़ताल के अलावा कई और विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। दास ने कहा कि देश की करीब 70 प्रतिशत जमा रकम सरकारी बैंकों के पास है और उन्हें निजी पूंजी के हवाले करने से आम आदमी का पैसा जोखिम में पड़ जाएगा। चेन्नै में बैंक कर्मचारियों के एक वर्ग ने काला बैज पहनकर विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र के कदम के फैसले के खिलाफ नारे लगाए। वहीं राजस्थान की राजधानी जयपुर में बैंक कर्मचारियों ने अंबेडकर सर्किल के पास एसबीआई कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

एसबीआई ने ब्याज दरों में की बढ़ोतरी

मुंबई । देश के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी आधार दर में 10 आधार अंकों का इजाफा किया है। अब ग्राहकों को नई ब्याज दरें 0.10 फीसदी के हिसाब से देय होगा। इससे पहले सितंबर में बैंक ने आधार दर को 5 आधार अंक घटाकर 7.45 फीसदी कर दिया था। भारतीय स्टेट बैंक ने प्राइल लेंडिंग रेट (पीएलआर) को भी ब?ने का फैसला किया है। देश के सबसे बड़े कर्जदाता ने पीएलआर में 2.5 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी करते हुए इसे 10 फीसदी से 12.30 फीसदी कर दिया है। वहीं बेस रेट में 0.10 फीसदी की ब?तरी की गई है। इसके बाद अब नई दर 7.55 फीसदी होगी। एसबीआई ने 15 दिसंबर 2021 से 2 करोड़ रुपए से ऊपर की सावधि जमाओं पर ब्याज भी बढ़ा दी है। वहीं 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। बैंक द्वारा बेस रेट बढ़ाए जाने का सीधा असर एसबीआई के ग्राहकों पर पड़ेगा। बेस रेट में ब?तरी होने से ब्याज दरें पहले से महंगी हो जाएंगी जिससे लोन लेने वाले ग्राहकों को अधिक ब्याज देना होगा। बैंक के इस कदम से होम लोन, ऑटो लोन, बिजनेस लोन और पर्सनल लोन की दरें बढ़ जाएंगी। ग्राहकों को अब पहले से ज्यादा ईएमआई का भुगतान करना होगा। एसबीआई ने हड़ताल के बीच यह फैसला लिया है।

सरकार ने पेट्रोल में मिलाने वाले इथेनॉल पर जीएसटी दर 18 से 5 प्रतिशत की

मुंबई । तेल की बढ़ती कीमतें और महंगाई को देखते हुए सरकार ने अन्य विकल्पों पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार ने इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल प्रोग्राम के तहत इथेनॉल पर जीएसटी की दरों को कम करके 18 प्रतिशत से 5 प्रतिशत कर दिया है। 2018 के दौरान पहली बार केंद्र सरकार की ओर से इथेनॉल उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल के आधार पर इथेनॉल के अंतर मूल्य का ऐलान किया गया था। गौरतलब है कि 2014 से भारत सरकार ने इथेनॉल के प्रभावी मूल्य को अधिसूचित किया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की ओर से इथेनॉल की भी खरीद बढ़ गई है। इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2013-14 में 38 करोड़ लीटर से मौजूदा ?वित्त वर्ष 2020-21 में बढ़कर 350 करोड़ लीटर से ज्यादा हो गई है। केंद्र की मोदी सरकार ने देश में चीनी उत्पादन को सीमित करने और इथेनॉल के घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं, जिसमें इथेनॉल उत्पादन के लिए बी भारी शीरा, गन्ने का रस, चीनी और चीनी की चाशनी को बदलने की मंजूरी देना शामिल है। भारत सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने की समय सीमा पांच साल कम कर 2025 कर दिया है। पहले यह लक्ष्य 2030 तक पूरा किया जाना था। पिछले वर्ष सरकार ने वर्ष 2022 तक पेट्रोल में 10 प्रतिशत तथा वर्ष 2030 तक 20 प्रतिशत एथेनॉल का सम्मिश्रण करने का लक्ष्य तय किया था। मौजूदा समय में, पेट्रोल के साथलगभग 8.5 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जाता है, जबकि वर्ष 2014 में इस सम्मिश्रण का स्तर 1-1.5 प्रतिशत ही था। एथनाम सम्मिश्रण से एथेनॉल की खरीद सालाना 38 करोड़ लीटर से बढ़कर अब 320 करोड़ लीटर हो गई है। पिछले साल तेल कंपनियों ने एथेनॉल खरीद पर 21,000 करोड़ रुपए खर्च किए थे। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है, जो अपनी 85 प्रतिशत से अधिक मांग को पूरा करने के लिए विदेशों से आयात पर निर्भर है। एथेनॉल पर ध्यान केंद्रित करने से पर्यावरण के साथ साथ किसानों के जीवन पर भी बेहतर प्रभाव पड़ रहा है क्योंकि यह किसानों को आय का एक और स्रोत उपलब्ध कराता है।

अमेरिकी इतिहास में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले कोराबारी बनेंगे एलन मस्क

न्यूयॉर्क । दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इसी हफ्ते उन्हें अमेरिकी प्रतिष्ठित टाइम मैगजनी ने साल 2021 का पर्सन ऑफ द ईयर घोषित किया।लेकिन उनकी ये उपलब्धि अमेरीकी सीनेट सदस्य एलिजाबेथ वॉरेन को रास नहीं आया।उन्होंने ट्विटर पर एलन मस्क पर टैक्स चोरी का आरोप लगा दिया। वॉरेन ने कहा कि उन्हें पर्सन ऑफ द ईयर के बदले टैक्स में धांधली करने वाला शख्स कहना चाहिए।इसके बाद वॉरेन और एलन मस्क के बीच जुबानी जंग छिड़ गई।मस्क ने कहा कि वहां इस साल अमेरिकी इतिहास में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले शख्स बनेंगे।मस्क के इन दावों के बाद अमेरिका एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि इस साल उन्हें 10 बिलियन डॉलर यानी करीब 76 हज़ार करोड़ का टैक्स देना होगा।अगर ऐसा होता है,तब वाकई वहां अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले शख्स बनने वाले है। लेकिन बता दें कि अमेरिका में इसतरह के लोगों के नामों का अधिकारिक ऐलान नहीं किया जाता है।

अगर हिसाब लगाया जाए,तब 76 हजार करोड़ रुपये उनकी कमाई का एक छोटा सा हिस्सा है। एनल मस्क नेटवर्थ के मामले में इस वक्त दुनिया में सबसे आगे चल रहे हैं।255 बिलियन डॉलर के साथ वहां टॉप पर है।इस साल इन आंकड़ों में 55 बिलियन का इज़ाफा हुआ है। पिछले महीने उन्होंने ट्विटर पर पोल कराते हुए लोगों से पूछा था कि क्या उन्हें अपनी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के 10 प्रतिशत बेंचने चाहिए।टेस्ला के शेयर में पिछले 5 सालों में 2300 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़त दर्ज की गई है। मस्क ने इस बार टेस्ला के 9,34,091 शेयर 90.65 करोड़ में बेचे हैं। इससे पहले उन्होंने इतने ही शेयर 96.3 करोड़ डॉलर में बेचे थे। उन्होंने ने 4 नवंबर को कंपनी के शेयर बेचने की शुरुआत की थी।तब से कंपनी के शेयर में लगातार गिरावट आ रही है। साल जून में रिपोर्ट में कहा गया था कि एलन मस्क अपनी कमाई के हिसाब से न के बराबर टैक्स देते हैं। मस्क ने कहा था कि वहां अपनी कंपनी स्पेसएक्स और टेस्ला से सैलरी नहीं लेते हैं और स्टॉक्स के हिसाब से 53 प्रतिशत टैक्स देते हैं।उन्होंने कहा था कि अगले साल ये टैक्स रेट बढ़ जाएंगे। अमेरिका में इस दौरान एक कानून आया, जिसके तहत सभी शेयर की एक्सरसाइज प्राइस (जिस कीमत पर उसे खरीदा गया है) और शेयर के वास्तविक मूल्य के अंतर पर हुए कैपिटल गेन का 50 फीसदी टैक्स के तौर पर देना होता है।

रामायण स्वयं साक्षात भगवान श्री राम की वाणीः पंचमानंद महाराज

अम्बाह। नगर की रतन वाटिका में धर्म प्रभावना के उद्देश्य से आयोजित श्री राम कथा में तीसरे दिवस ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर श्री पंचमानंद जी महाराज ने कहा कि रामायण स्वयं साक्षात् भगवान श्री राम की वाणी है। रामायण की कथा को सुनने से वेद भगवान की कृपा होती है। महर्षि बाल्मीकि विरचित रामायण काव्य में बाल्मीकि जी ने सीता जी के महान् चरित्र का वर्णन किया है। भगवान राम, सीता जी के चरित्र में निवास करते हैं, इसीलिए इस काव्य का नाम रामायण रखा गया।

कथा व्यास ने अयोध्या धाम का वर्णन करते हुए कहा कि अयोध्या में बहने वाली सरयू नदी परमात्मा के अश्रु से निर्मित मानसरोवर से निकली है, इसलिए उसका नाम सरयू है। हम सभी को मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की कथा को सुनकर अपने मन को मानसरोवर बनाना होगा, तभी हमारे अतः करण में माता सरजू का प्रवाह होगा और उसमें भगवान राम स्नान करेंगे। कथा व्यास ने आगे कहा कि जीवन में कर्म ज्ञान व भक्ति इन तीनों की आवश्यकता होती है, ज्ञान और भक्ति के बिना कर्म व्यक्ति को नीरस बना देता है। जीव को परमात्मा तक पहुंचने के लिए ज्ञान रूपी घोड़े और कर्म रूपी लगाम की आवश्यकता होती है। इन दोनों के द्वारा जीव परमात्मा की भक्ति प्राप्त करता है। भगवान की प्राप्ति आचार्य अर्थात सद्गुरु के सहयोग के बिना नहीं होती। सद्गुरु ही भगवान का उपदेश शिष्य को करता है, तभी उसको ज्ञान होता है। जैसे कमल का पुष्प सूर्य के प्रकाश से विकसित होता है, किंतु तभी जब जब

तक उसका संबंध जल से बना रहता है। जल से अलग होकर वही सूर्य का प्रकाश उसको सुखा देता है। इस प्रसंग में सूर्य ही परमात्मा है, जल ही गुरु है, और कमल ही शिष्य है। चारों वेदों को पढने व सुनने का जो फल प्राप्त होता है वही फल रामायण को सुनने से भक्तजनों को प्राप्त होता है। भगवान के कृपा प्रसाद स्वरूप महर्षि नारद ने जो कुछ देखा जो कुछ सुना उसी का लेखन रामायण में किया है। कथा व्यास ने अयोध्यापुरी का वर्णन करते हुए कहा कि जिस प्रकार मत्स्य का आकार होता है। उसी प्रकार से अयोध्या का आकार है। अयोध्या 12 योजन लंबी और 3 योजन चौडी है। कथा वाचक ने भगवान राम के जन्म की कथा सुनाते हुए कहा कि जैसे सांभर की झील में जो वस्तु पड जाती है वह नमक बन जाती है उसी प्रकार आनन्दकन्द भगवान की कथा के श्रवण के माध्यम से जीव भी ब्रह्ममय हो जाता है। जब प्रभु राम पैदा होने वाले थे, सभी देवता आकर माता कौशल्या के गर्भ की स्तुति करते हैं क्योंकि माता कौशल्या के गर्भ से स्वयं परम ब्रह्म प्रकट होने वाले हैं, जो दुष्टों का नाश कर धर्म की स्थापना करेंगे। कथा में श्रीराम के प्रकट होने पर व्यास मंच से 'भए प्रकट कृपाला दीन दयाला, कौशल्या हितकारी' का गायन हुआ तब भक्तजन झूमने लगे। कथा का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। आयोजन में कथा श्रवण के लिए संत मायन दास जी महाराज एवं बालक दास जी महाराज भी पधारे, जिनका श्रद्धालुओं ने स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सुंदरकांड पाठ के माध्यम से हनुमान जी का किया स्मरण

अंबाह। जन कल्याण की कामना को लेकर भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विजय गुप्ता द्वारा श्री झाड़ी वाले हनुमान जी मंदिर पर संगीत मय श्री राम चरित मानस सुंदर कांड पाठ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान जी की आराधना करके विश्व शांति की कामना की।

सुंदरकांड की महिमा बताते हुए विजय गुप्ता ने बताया कि सुंदर कांड के पाठ से जन्म जन्मांतर के पापो का क्षय होता है। दैहिक दैविक भौतिक सुखों में वृद्धि होती है। यदि कोई बीमार है डिप्रेशन का शिकार है व शारीरिक निर्बलता से पीड़ित है तो हनुमान जी की कृपा से स्वस्थ होकर ऊर्जावान हो जाता है। श्री गुप्ता ने बताया कि सुंदर कांड का पाठ बहुत ही कल्याणकारी है। सुंदरकांड का पाठ पुनीत और शक्तिशाली भी होता है। इस संगीत मय सुंदर कांड में दूरदराज से आये सैकड़ों भक्तों ने कलाकारों के द्वारा प्रसतुत किए गए संगीत मय सुंदर कांड को सुनकर अपने आप को धन्य माना।

एसबीआई का चोरों ने काटा एटीएम, 27 लाख रुपया समेटा

मुरैना। गुरुवार शुक्रवार की देर रात सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत जौरा रोड स्थित एसबीआई के एटीएम को अज्ञात चोरों ने गैस कटर से काटकर 27 लाख रुपए कैश समेट लिया और चंपत हो गए। घटना का पता सुबह मकान मालिक को लगा तो उसने पुलिस एवं बैंक को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने निरीक्षण के बाद चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक का जौरा रोड पर मुरारीलाल शिवहरे के मकान में एटीएम संचालित है। इस एटीएम में रात्रि के 2 से 3 के बीच अज्ञात चोर तामझाम के साथ प्रवेश कर गए और सटर डालकर इत्मीनान से गैस कटर के माध्यम से एटीएम को काट लिया और उसमें रखा 27 लाख रुपए के लगभग नगदी को समेट कर ले गए। थाना प्रभारी विनय यादव के अनुसार सुबह जब मकान मालिक सफाई करने आए, तब उन्हें एटीएम कटा हुआ पड़ा मिला, तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। जिस पर से पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण कर छानबीन की। थाना प्रभारी के अनुसार एटीएम पर ना तो कोई गार्ड तैनात है और ना ही अलार्म है, जिससे एटीएम की निगरानी हो सके। वही सीसीटीवी कैमरा को भी देखा जा रहा है कि वह चालू थे या नहीं। फिलहाल सिविल लाइन थाना पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। उल्लेखनीय है कि शहर में आए दिन एटीएम पर चोरी एवं एटीएम बदलने की घटनाएं लगातार हो रही है, लेकिन इसके बावजूद पुलिस की निष्क्रियता बनी हुई है।

गेहूं के बीज का क्रय, विक्रय, भण्डारण एवं स्थानांतरण पर लगा प्रतिबंध

मुरैना। अमानक पाये गये गेहूं के बीज का क्रय विक्रय, भण्डारण एवं अन्य स्थान पर ले जाने पर प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध उर्वरक पंजीयन अधिकारी एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक अनंत बिहारी सडैया ने लगाया है। श्री सडैया ने जारी प्रतिबंधित आदेश में कहा है कि निर्माता कंपनी आर्य हाईब्रिड सीड्स का मैसर्स अनुकृता ट्रेडर्स कैलारस द्वारा विक्रय किया जा रहा था। बीज का नमूना लेकर प्रयोगशाला पवार खेडा होशंगाबाद भेजा गया, परीक्षण उपरांत बीज अमानक पाया गया। इस पर जिले में क्रय विक्रय भण्डारण एवं स्थानांतरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई है।

"आपकी सरकार आपके साथ" शिविर में लोगों ने समस्याओं का निराकरण कराया

मुरैना। प्रदेश सरकार की पहल पर एवं कलेक्टर बी.कार्तिकेयन के मार्गदर्शन में नगर परिषद बानमौर द्वारा 16 दिसम्बर (गुरूवार) को ''आपकी सरकार आपके साथ'' शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में तीन दर्जन आवेदन विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के प्राप्त हुये। जिसमें सामाजिक न्याय, श्रम विभाग, आजीविका मिशन, जिला शहरी विकास अभिकरण, प्रधानमंत्री आवास आदि विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

शिविर में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने शिविर में मौके पर ही आवेदनों को पढा, उनका निराकरण भी किया। शिविर में सांख्यिकी विभाग के तहत अजब सिंह, कालीचरण, कनीजा द्वारा मृत्यु प्रमाणपत्र के लिये आवेदन प्रस्तुत किया। विभाग द्वारा मौके पर ही मृत्यु प्रमाणपत्र स्वीकृत किया।

कल्याणी श्रीमती अर्चना कुशवाह ने आवेदन प्रस्तुत किया कि मुझे कल्याणी सहायता उपलब्ध करायी गई। इस पर सामाजिक न्याय विभाग ने कल्याणी सहायता के लिये प्रकरण तैयार किए। इसी प्रकार सांख्यिकी विभाग में कुलदीप द्वारा जन्म प्रमाणपत्र बनाने का आवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में कुलदीप को जन्म प्रमाणपत्र मौके पर प्रदान किया गया। मां शीतला जनहितकारी समूह ने समूह से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया, आवेदन को विभाग ने स्वीकृत किया है। नीरज, दीवान, अजय, रामरतन, ममता और रामसखी ने स्ट्रीट वेण्डर पीएम स्वनिधि योजना के तहत आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे मौके पर ही आवेदन को स्वीकृत किया। इस प्रकार ''आपकी सरकार आपके साथ'' शिविर में कुल 15 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।

निजीकरण के विरोध में की जा रही बैंक हड़ताल का, सीटू और माकपा ने किया समर्थन

मुरैना। देश भर की सभी बैंकों में केंद्र सरकार द्वारा बैंकों का निजीकरण किए जाने के विरोध में दो दिवसीय हड़ताल जारी है। इस हड़ताल का आह्वान बैंकों की अखिल भारतीय फेडरेशन द्वारा किया गया है। इस हड़ताल का सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) एवं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधियों ने हड़ताली कर्मचारी से मुलाकात कर समर्थन व्यक्त किया है। माकपा के राज्य सचिव मंडल सदस्य अशोक तिवारी तथा सीटू के नेता श्रीकृष्ण यादव ने बैंक हड़ताल के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा है कि मोदी सरकार बैंक, बीमा, सार्वजनिक क्षेत्र, हवाई अड्डे, बंदरगाह, खदानें, बस स्टैंड, जल, जंगल, जमीन सभी को बेचने पर आमादा है। देश की जनता इसका पुरजोर विरोध कर रही है। बैंक हड़ताल भी इसी कड़ी में एक कदम है। हम इस आंदोलन का पूर्ण समर्थन करते हैं और सरकार से आग्रह करते हैं कि वह बैंकों के निजीकरण की नीति को वापस ले और बैंकों को सार्वजनिक क्षेत्र में ही बनाए रखा जाए। साथ ही उन्होंने कहा है कि मोदी सरकार अगर निजीकरण की नीति को वापस नहीं लेगी तो आगामी दिनों में देश भर में जुझारू आंदोलन किए जाएंगे।

दिगंबर जैन समाज का वार्षिक रथयात्रा महोत्सव 19 को

अंबाह। सकल दिगंबर जैन समाज अम्बाह की ओर से हर साल आयोजित होने वाला वार्षिक श्री जिनेन्द्र रथ यात्रा महोत्सव इस साल 19 दिसंबर रविवार को आयोजित किया जाएगा। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष जिनेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 दिसंबर को भव्यता पूर्वक वार्षिक रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सुबह भगवान की पूजा अर्चना की जाएगी। इसके बाद दोपहर 1 बजे से छोटे जैन मंदिर से रथ यात्रा प्रारंभ होगी। जिसमें जैन धर्म की परंपरा के अनुसार श्रीजी को रथ में विराजमान कर नगर भर में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा का श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह स्वागत किया जाएगा। इसके बाद रथयात्रा वापसी पर शाम के समय भगवान का बड़े जैन मंदिर में अभिषेक किया जाएगा। रात्रि में स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

बच्चों को धार्मिक संस्कार सिखाएं माता-पिताः प्रणम्य सागर

अम्बाह। अहंम योग के प्रणेता जैन मुनि 108 प्रणम्य सागर जी महाराज ने शुक्रवार को श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सिंहोनियां जी में भगवान शांतिनाथ की महिमा का वर्णन किया। श्रद्धालुओं ने इस दौरान श्री शांतिनाथ विधान का आयोजन कर भगवान का अभिषेक किया। मुनि श्री ने कहा कि भगवान शांतिनाथ का स्मरण हमारे भावों को पवित्र बनाता है। उन्होंने कहा कि तीर्थ स्थलों का संरक्षण एवं भगवान का पूजन हम सबकी जिम्मेदारी है, जिसे हमें निभाना चाहिए। जैन मंदिर में प्रवचन के दौरान मुनि श्री ने बताया कि जिस व्यक्ति को यह ज्ञान नहीं कि यह दुनिया किसने बनाई है,

आत्मा का ज्ञान नहीं है, उससे बड़ा अज्ञानी तो कोई नहीं है। सब कहते हैं दुनिया भगवान ने बनाई है पर कोई वास्तविकता नहीं जानता कि दुनिया ना किसी ने बनाई है और ना कोई उसे नष्ट कर सकता है, क्योंकि यह अनादिकाल से है। बच्चों को सही ज्ञान न प्राप्त होने की स्थिति में ये सब अज्ञान बढ़ता जाता है। मुनि श्री ने कहा कि पहले बच्चों में उनके माता-पिता उन्हें धार्मिक संस्कार देते थे, तब वे अपने खाली समय का सदुपयोग करते थे। अपने माता-पिता के साथ मंदिर जाते थे धार्मिक कहानियां सुनते थे किंतु आज के बच्चों का खाली समय मात्र गेम खेलने से ही व्यतीत होता है। बच्चे धर्म से बहुत दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को धर्म के संस्कार दें। बच्चों को समझाएं कि हम खुद अपने कर्मों को करते हैं और खुद ही अपने किए हुए कर्मों का फल भोगते हैं। आजकल भगवान के प्रति श्रद्धा कम होने का कारण अपना मान है। आज युवा मंदिर में जाने से भी बचता है। मुनिश्री ने बताया कि मंदिरों में भी लोग मात्र इसलिए आते हैं क्योंकि उन्होंने जैन कुल में जन्म लिया है। न किसी के अंदर भगवान के प्रति कोई खेद है ना कोई अनुराग। भगवान के गुणों के स्मरण करने से हमारी भक्ति श्रद्धा बढ़ती है। उनके गुणों का स्मरण करने से हमारी मान कषाय कम होती है, इसलिए हमें प्रतिदिन तीर्थंकर भगवान का स्मरण कर उनके सिद्धांतों पर चलना चाहिए।

प्लास्टिक के गोदाम में आग से 10 लाख का नुकसान

मुरैना। सिटी कोतवाली के अंतर्गत थोक सब्जी मंडी गेट के सामने स्थित प्लास्टिक के गोदाम में शुक्रवार की अल सुबह अचानक आग लगने से उसमें रखे प्लास्टिक के तमाम प्रकार के आइटम जलकर मोम में तब्दील हो गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और 2 घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक पूरा सामान जल चुका था। बताया जाता है कि सब्जी मंडी गेट के सामने नाला नंबर 1 पर गणेश राठौर का प्लास्टिक के सामान का गोदाम संचालित था, जो रात में बंद था।

शुक्रवार की सुबह 4:15 बजे अचानक धुआं उठने लगा और आसपास के लोगों एवं मंडी में आने जाने वाले लोगों को धुआं एवं आग की लपटे दिखने लगी तो तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना पाकर चार फायर ब्रिगेड गाडियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने के कार्य में जुट गई। 2 घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस आगजनी में गणेश राठौर का लगभग 10 लाख रुपए का प्लास्टिक का सामान जल गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के आइटम थे। घटना की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को भी दे दी गई है। मुरैना विधायक राकेश मावई के बड़े भाई रविन्द्र सिंह मावई ने बालाजी मेरिज होम गल्ला मंडी के पास गणेश राठौर के गोदाम में आग लग जाने की सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंच कर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया और सम्बन्धित अधिकारियों को तुरंत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

श्री कृष्ण द्वारा दिए गए गीता उपदेश से ही अर्जुन का मोहभंग हुआ: प्राची किशोरी

अम्बाह। पठ रोड शांति वाटिका में माथुर वैश्य महिला मंडल अंबाह द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास प्राची किशोरी ने तीसरे दिवस ध्रुव चरित्र का वर्णन किया। प्राची किशोरी ने व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण असीम करुणा एवं दया के प्रतीक है, यह हम सभी का सौभाग्य है कि हमारा जन्म उस पावन धरती पर हुआ है, जहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया था। हमारे यहां आज भी भौतिकवाद से अधिक महत्व नैतिकता एवं आध्यत्मिकता का है। भागवत कथा का उद्देश्य भगवान कृष्ण के जीवन अध्याय के पीछे छिपे गूढ़ रहस्यों को प्रकट करना है, जिससे प्रेरणा पाकर प्रत्येक भक्त आध्यात्म के पथ पर निरंतरता से बढ़ सके। भगवतगीता में निहित नैतिकता और आध्यात्मिकता के तत्व हमें जीवन के मूल को समझने के लिए उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान करते हैं कथा व्यास ने कहा कि

भागवत कथा के माध्यम से भगवान द्वारा दिये गये कर्म, ज्ञान एवं भक्ति के सन्देश को समझा जा सकता है। भागवत प्रवक्ता प्राची किशोरी ने श्रोताओं को आध्यात्म की गहराइयों से अवगत कराया वही समधुर भजनों की अनुपम श्रृंखला ने कार्यक्रम में उपस्थित भक्तगणों को मंत्रमुग्ध कर डाला। उन्होंने कृष्ण लीला के पीछे छिपे दिव्य एवं आध्यात्मिक रहस्यों के बारे में भी बताया। उन्होंने समझाया कि भगवद्गीता में निहित संदेशों द्वारा ही आध्यात्मिकता की ओर बढने की पहल होती है। आज मानव भौतिकवाद की चकाचौंध में अँधा हो चुका है। इन संसाधनों की पूर्ति की तृष्णा ही उसके दुःख का कारण है। वास्तविक सुख इन नश्वर संसाधनों में नहीं अपितु ईश्वर प्राप्ति में है। मन और इन्द्रियों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ता है। आत्मज्ञान द्वारा इंसान इस मोहजाल से निकल प्रभु चरणों से जु? सकता है। भगवान श्री कृष्ण द्वारा प्रदत्त इस ब्रह्मज्ञान के माध्यम से ही अर्जुन का मोह भंग हुआ था। श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया कि वह इस धरा पर मानव रूप में अवतरित हुए हैं और उनके वास्तविक रूप को केवल ब्रह्मज्ञान के माध्यम से ही जाना जा सकता है। श्री प्राची किशोरी ने समझाया कि भगवान श्री कृष्ण के वास्तविक रूप से जुडने के लिए, हमें ईश्वर से निरंतर प्रार्थना करनी चाहिए कि हमें जीवन में एक पूर्ण सदगुरु की प्राप्ति हो जो हमें ब्रह्मज्ञान प्रदान कर हमारे दिव्य चक्षु को खोल हमें आध्यात्म के मार्ग की ओर अग्रसर करे।

चुनाव और विवाह सुधार

केंद्र सरकार ने चुनावी प्रक्रिया और विवाह के लिए जरूरी सुधारों को मंजूरी दे दी है। चुनाव आयोग ने सरकार को अपनी अनुशंसाएं भेजी थीं। अब किसी बालिग यानी 18 साल के युवा को वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए सालभर में 4 मौके मिलेंगे। अब तक उन्हें केवल एक मौका मिलता था। इसके अलावा किसी की वोटर आईडी से आधार को भी लिंक किया जा सकेगा, हालांकि यह वोटर की इच्छा पर निर्भर करेगा। चुनाव आयोग ने कहा था कि इस संबंध में शुरू किए गए पायलट प्रोजेक्ट्स के नतीजे सकारात्मक रहे हैं। वहीं लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र को लेकर सरकार की तरफ से जल्दी ही कानून में जरूरी बदलाव किया जाएगा। बदलाव के बाद लड़कियों की शादी की सीमा 18 से बढ़ाकर 21 साल कर दी जाएगी। कैबिनेट ने लड़कों और लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र एक समान, यानी 21 वर्ष करने के विधेयक को मंजूरी दे दी है। यह कानून लागू हुआ तो सभी धर्मों और वर्गों में लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र बदल जाएगी। लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र पर विचार के लिए जया जेटली की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था जिसने अपनी रिपोर्ट पिछले साल दिसंबर में नीति आयोग को सुपुर्द की थी। टास्कफोर्स ने युवतियों की विवाह की उम्र बढ़ाकर 21 वर्ष करने का पूरा रोल आउट प्लान सौंपा था और इसे समान रूप से पूरे देश में सभी वर्गों पर लागू करने की मजबूत सिफारिश की है। मोदी सरकार के कार्यकाल में विवाह के संबंध यह दूसरा बड़ा सुधार है जो समान रूप से सभी धर्मों के लिए लागू होगा। इससे पहले एनआरआई मैरिज को 30 दिन के भीतर पंजीकृत कराने का बड़ा कदम उठाया गया। लड़कियों और लड़कों के विवाह की न्यूनतम उम्र एक समान करने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में लालकिले से अपने संबोधन के दौरान की थी। वहीं, चुनाव सुधारों का मुद्दा चुनाव आयोग काफी समय से उठाता आ रहा है। यह दोनों ही सुधार अपने आप में क्रांतिकारी माने जा रहे हैं। ये दोनों विधेयक संसद के मौजूदा सत्र में ही पेश किए जाएंगे। युवतियों की न्यूनतम उम्र में आखिरी बदलाव 1978 में किया गया था और इसके लिए शारदा एक्ट 1929 में परिवर्तन कर उम्र 15 से 18 की गई थी। भारत में हर साल 15 लाख लड़कियों की शादी 18 साल से कम उम्र में हो होती है। जनगणना महापंजीयक के मुताबिक देश में 18 से 21 साल के बीच विवाह करने वाली युवतियों की संख्या करीब 16 करोड़ है। जहां तक चुनाव सुधार की बात है तो चुनाव आयोग की मांग है कि नए वोटर आईडी के अप्लाई करने वाले व्यक्ति के लिए आधार की जानकारी अनिवार्य कर देना चाहिए। आयोग का मत है कि आधार और वोटर आईडी एक दूसरे से लिंक होने पर काफी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाएंगी। सबसे बड़ी समस्या यह है कि वर्तमान वोटर लिस्ट में कई नाम बार-बार आ जाते हैं। हालांकि, अभी सरकार ने वोटर आईडी को वैकल्पिक रखा है, लेकिन जिस तरह से चुनाव आयोग का रुख है, इसे अनिवार्य किया जा सकता है। आधार को वोटर कार्ड से जोड़ने से फर्जी वोटर कार्ड से होने वाली गड़बड़ी रोकी जा सकेगी। चुनाव आयोग ने वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने की सिफारिश की थी, ताकि मतदाता सूची ज्यादा पारदर्शी हो और फर्जी वोटर हटाए जा सकें। आधार को वोटर कार्ड से जोड़ने से आदमी एक से ज्यादा वोटर कार्ड नहीं रख सकेगा। कई बार देखा जाता है कि किसी व्यक्ति का उसके शहर के वोटर लिस्ट में नाम है और वह लंबे समय से दूसरे शहर में रह रहा है। इसके चलते वह दूसरे शहर की वोटर लिस्ट में भी नाम जुड़वा लेता है।

मानवता व भाईचारे की मिसाल भी पेश कर गया ऐतिहासिक किसान आंदोलन

निर्मल रानी

केंद्र सरकार द्वारा किसानों पर थोपे जा रहे तीन काले कृषि क़ानूनों को आख़िरकार सरकार को वापस लेना ही पड़ा। इसके क़ानूनी दांव पेंच व किसानों को इससे होने वाले नफ़ा नुक़सान के अलावा इस पूरे आंदोलन को देश विदेश में कई अलग अलग नज़रिये से भी देखा गया। इस आंदोलन में जहाँ राष्ट्रीय स्तर पर किसानों की ज़बरदस्त एकजुटता सामने आई वहीं इसमें उनका त्याग, तपस्या, समर्पण, जुझारूपन, सूझ बूझ, सहनशीलता, प्रेम, बलिदान, मानवता आदि सब कुछ साफ़ नज़र आया। निश्चित रूप से सरकार द्वारा तीनों विवादित कृषि क़ानूनों के वापस लेने तथा इसके बाद किसान आंदोलन के समाप्त होने की घोषणा से देश ने राहत की सांस ली है। परन्तु एक वर्ष तक लगातार एक ही स्थान पर बने रहने वाले आंदोलनकारी किसानों के वापस चले जाने से आंदोलन स्थलों के आस पास के उन ग़रीबों,मज़दूरों व झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों के लिये आंदोलन की समाप्ति और उनकी घर वापसी,मायूसी व उदासी का पैग़ाम लेकर आई।

दिल्ली के चारों ओर जिन जिन सीमाओं पर आंदोलनकारी किसान धरना प्रदर्शन कर रहे थे उन सभी सीमाओं पर कई कई जगह लंगर व %गुरु का लंगर% संचालित किया जा रहा था। %अन्नदाताओं % ने यह लंगर केवल आंदोलनकारी किसानों के लिये नहीं बल्कि हर ख़ास-ो-आम के लिये लगाये थे। देश दुनिया को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने वाला %अन्नदाता % यहाँ भी शुद्ध देसी घी के लंगर चला रहा था। दिल्ली के अनेक गुरुद्वारों ने किसानों को लंगर सेवायें उपलब्ध कराई हुई थीं। तीनों वक़्त की शुद्ध व ताज़ी रोटी,पराठों व दाल सब्ज़ी के अतिरिक्त किसानों के लंगर में ड्राई फ़्रूट,फल,दूध,दही लस्सी,मिठाई आदि सब कुछ उपलब्ध था । ऐसे में आंदोलन स्थल के वे लाखों पड़ोसी,ग़रीब व मज़दूर जिन्होंने पूरे एक वर्ष तक सपरिवार किसानों के लंगर का भोजन व नाश्ता किया तथा अन्य पकवान खाये,उनके लिये इस आंदोलन का समाप्त होना कुछ ऐसा ही रहा जैसे उनके सामने से लंगर व पकवान की थाली खींच ली गयी हो। आंदोलन स्थल के निकटवर्ती लोगों का आंदोलनकारियों के साथ एक भावनात्मक व सहयोगपूर्ण रिश्ता क़ायम हो गया था जोकि इस आंदोलन की समाप्ति के साथ ही केवल यादों व स्मृतियों में शेष रह गया। ऐसे सैकड़ों लोग आंदोलनकारी किसानों की घर वापसी के समय अश्कबार आँखों व मायूस चेहरों के साथ घर वापसी करने वाले किसानों का सहयोग करते दिखाई दिये।

किसान आंदोलन ने केवल मनुष्यों मात्र नहीं बल्कि लावारिस पशुओं के प्रति भी ऐसी मानवता दिखाई कि पशु भी किसानों के मोह से अछूते नहीं रहे। सिंघू बॉर्डर पर आंदोलन की शुरुआत में एक कुतिया ने कुछ बच्चे जन्मे थे। इनमें से एक बच्चा किसानों का लाडला बन गया। आंदोलन समाप्ति के समय वह बच्चा लगभग एक वर्ष का हो चुका था। जब उसने देखा कि ट्रैक्टर ट्रॉली पर सामान लाद किसान वापस जाने की तैयारी में लगे हैं तो वह कुत्ता भी किसी तरह कूद फांद कर ट्रॉली में सवार हो गया। और अन्नदाता उस कुत्ते को भी आंदोलन स्थल की निशानी के रूप में ट्रैक्टर ट्रॉली में बिठा कर अपने साथ पंजाब ले आये।

राष्ट्रीय स्तर पर किसानों की एकजुटता के लिये तो यह आंदोलन मिसाल बना ही साथ साथ पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तरांचल व उत्तर प्रदेश के

किसानों की एकजुटता का भी कारक बना। 2014 के बाद एक बड़ी साज़िश के तहत जिस पश्चिमी उत्तर प्रदेश को सांप्रदायिकता की आग में झोंक कर राजनीति के शातिरों द्वारा भरपूर राजनैतिक लाभ उठाया गया था इस आंदोलन ने काफ़ी हद तक नफ़रत की इस खाई को पाटने की कोशिश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को बखूबी समझ आ गया कि हिन्दू मुस्लिम व ऊंच नीच के वर्गों में बांटकर सत्ता द्वारा %बांटो और राज करो % की अंग्रेज़ी नीति का अनुसरण किया जा रहा है। जबकि सभी किसानों की मांगें भी एक हैं मुद्दे भी एक। ज़ाहिर है यह अन्नदाताओं की एकजुटता ही थी जिसके चलते पूजा-पाठ,अरदास,रोज़ा-नमाज़,इफ़्तार आदि सब कुछ एक ही पिण्डाल व एक ही छत के नीचे अदा होते देखे गये।

हरियाणा पंजाब के किसानों की एकजुटता के भी तमाम क़िस्से आंदोलन की समाप्ति के बाद सुनाई दे रहे हैं। जब एक भाजपा विधायक के उपद्रव से आहत होकर जनता के सामने राकेश टिकैत की आँखों से आंसू बहे थे उस रात हरियाणा के लाखों किसानों ने ज़बरदस्त सर्दी,ठिठुरन व धुंध के बावजूद टिकैत के आंसुओं के जवाब में रातों रात हरियाणा के विभिन्न इलाक़ों से दिल्ली की ओर मार्च किया था। और इसी घटना से किसान आंदोलन को ऐसा प्रोत्साहन मिला कि आख़िरकार आन्दोलन की परिणिति किसानों की फ़तेह के रूप में सामने आई। पंजाब के किसान नेता जोगिन्दर सिंह उगराहां का हरियाणा के किसानों के सहयोग व भाई चारे को दर्शाने वाला बयान खूब वायरल हुआ। किसान आंदोलन की दिल्ली की सीमाओं पर गुज़ारी गयी पहली रात को याद करते हुए उगराहां ने कहा कि- %आंदोलन स्थल पर पहली रात किसानों ने बिना दूध की चाय पी थी। परन्तु सुबह हरियाणा के किसानों ने इतना दूध भेज दिया कि दूध रखने के लिये बर्तन ही नहीं बचे। ऐसे में पंजाब व हरियाणा के किसानों के साथ को कभी भूला नहीं जा सकता।%

कई ऐसी बातें भी हुईं जो इस पूरे शांतिपूर्ण आंदोलन के लिये बदनामी का सबब बनीं। जैसे 26 जनवरी को किसानों के एक वर्ग व उसमें कुछ शरारती तत्वों का लाल क़िले पर हुड़दंग मचाना,निहंग द्वारा किसी सेवादार का हाथ काट देना आदि इसतरह के और भी कई नकारात्मक समाचार आए। इनमें कई दुर्भाग्यपूर्ण थे तो कुछ दुर्भावनापूर्ण साज़िश का हिस्सा। परन्तु सत्ता की सभी शतरंजी चालों का जवाब देश के किसानों ने अत्यंत धैर्य व संयम के साथ दिया। जिसमें आख़िरकार किसानों की फ़तेह हुई और अहंकारी सत्ता की बेशर्मी भरी हार। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि देश द्रोही,देश विरोधी, ख़ालिस्तानी, नक्सल व आन्दोलनजीवी जैसे न जाने कितने आरोपों का मुंहतोड़ जवाब देते हुए यह ऐतिहासिक किसान आंदोलन मानवता व भाईचारे की भी एक ज़बरदस्त मिसाल भी पेश कर गया।

अनुशासन का पाठ

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे, गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, %आप सभी प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे? यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा, बेटा आयुष, तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा, गुरुजी, मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा। हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार, जो शास्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है, उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है, मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा।

जीवन में ज्यादा सामान करता परेशान

रेनू सैनी

'जितना कम सामान रहेगा, उतना सफर आसान रहेगा।' जितनी भारी गठरी होगी, उतना तू हैरान रहेगा।' उपरोक्त पंक्तियां सुप्रसिद्ध कवि गोपालदास नीरज द्वारा रचित हैं। इन शब्दों में गहराई है, सुख है, आराम है और तनाव रहित जीवन है। कम सामान में जीवन की अधिक खुशियां और अधिक सामान में ज्यादा तनाव एवं चिंताएं छिपी रहती हैं। लेकिन कहते हैं न कि जो दिखता है, वो बिकता है और जो नहीं दिखता, उसको महत्व नहीं दिया जाता।

जैसन हिकेल की प्रसिद्ध पुस्तक है, 'लेस इज मोर।' इस पुस्तक में उन्होंने बारीकी से इस तथ्य पर प्रकाश डाला है कि कम कैसे और क्यों अधिक होता है? वे कहते हैं कि 'अगर हम अपने आपको हल्का रखें तो हमारी चिंताएं, भार और तनाव, अपने आप कम होने लगते हैं।' अगर एक व्यक्ति वजन में हल्का होता है, नियमित व्यायाम करता है तो वह स्वस्थ रहता है, बीमारियां उस पर जल्दी हमला नहीं बोलतीं। इसके विपरीत एक भारी व्यक्ति को कदम-कदम पर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मोटापे से होने वाली बीमारियां सभी जानते हैं। इनके अतिरिक्त मोटे व्यक्ति को लोगों के व्यंग्यों एवं तिरस्कार का शिकार भी होना पड़ता है। इतना ही नहीं, मोटे व्यक्ति से काम भी जल्दी से नहीं हो पाते।

इसी तरह यदि हमारे पास अधिक सामान होता है तो उसकी अधिक देखभाल करनी पड़ती है। उस पर अधिक व्यय करना पड़ता है। उदाहरणार्थ यदि हमारे पास चार मोबाइल फोन, तीन टी.वी, तीन गाड़ियां हों तो न केवल उनकी विशेष देखभाल करनी पड़ती है, अपितु उनकी देखरेख पर व्यय भी अधिक करना पड़ता है। इसमें समय एवं ऊर्जा की अधिक खपत होती है। इसके विपरीत यदि एक मोबाइल फोन, एक टी.वी. और एक गाड़ी हो तब भी जीवन आराम से चलता है बल्कि ज्यादा सुख से बीतता है। घर में जितना अधिक सामान होता है, घर उतना अधिक भरा-भरा लगता है।

जब हम किसी यात्रा पर जाते हैं तो अधिक सामान होने पर उसकी निगरानी करनी पड़ती है। इस कारण हम कई बार सफर का आनंद भी नहीं उठा पाते। यात्रा एवं सफर पर हम इसलिए जाते हैं ताकि जीवन में आनंद ले सकें, व्यस्त जीवन में कुछ सुकून के पल बिता सकें। पर्यटन स्थल की खूबसूरती को देख सकें और मन-मस्तिष्क को तरोताजा कर सकें। लेकिन जब हमारे पास सामान अधिक होता है तो न केवल चलने में परेशानी होती है, अपितु बार-बार हम सामान देखते रहते हैं कि सब कुछ है न, कुछ इधर-उधर तो नहीं हुआ।

यह तो केवल सामान की बात है। लेकिन हम अपने जीवन को भी बिल्कुल ऐसा ही बना लेते हैं जो अधिक सामान यानी कि अधिक विचारों से भरा होता है और उनमें से भी अधिकतर विचार व्यर्थ के होते हैं। भरे हुए घर में अनिवार्य सामान के साथ असंख्य ऐसा सामान होता है, जिसकी कभी जरूरत ही नहीं पड़ती लेकिन फिर भी लोग उस सामान को निकालने की कोशिश नहीं करते। उन्हें ऐसा लगता है कि न जाने कब इस सामान की आवश्यकता पड़ जाए। सदगुरु कहते हैं, 'जब आपके पास कम चीजें होती हैं, तो आप खुल कर और चैन से सांस ले सकते हैं।' जीवन में जितनी ज्यादा भौतिकता होती है, उतना ही तनाव अधिक होता है और अनावश्यक कार्यों पर समय एवं ऊर्जा की खपत होती है। हम अधिक सामान जुटाने के प्रयास में यह भूल जाते हैं कि सामान हमारे लिए है, इसके बजाय हम स्वयं को एक ऐसा रोबोट बना लेते हैं कि सामान हमारे लिए नहीं बल्कि हम सामान के लिए हो जाते हैं। उसकी प्रतिदिन देखरेख करना, उस पर समय एवं धन खर्च करना हमारी दिनचर्या में जुड़ जाता है।

एक कहावत है कि भरे गिलास में किसी भी वस्तु को नहीं डाला जाता। यदि भरे गिलास में कुछ डालने का प्रयत्न किया जाएगा तो वह गिलास में न गिर कर नीचे गिरेगा। इसी तरह हम अपने मन-मस्तिष्क, आसपास एवं घर को वस्तुओं एवं विचारों से इतना अधिक भर लेते हैं कि वहां पर नए के प्रवेश का स्थान ही नहीं बचता। जीवन परिवर्तनशील है। परिवर्तन में नयी वस्तुओं एवं नये विचारों का आगमन शामिल है। लेकिन जब हमारा दिमाग पहले ही ढेर सारे विचारों एवं घर ढेर सारे सामान से भरा होगा तो वहां पर नये विचार व नया सामान कैसे आएगा? नये विचार एवं नये सामान के लिए पुराने विचार एवं पुराने सामान को त्यागना आवश्यक हो जाता है।

एक तरफ 'हिन्दू राग' तो दूसरी ओर भारतीय नागरिकता से मुक्ति....?

ओमप्रकाश मेहता

भारत का हर बुद्धिजीवी आज इस गंभीर चिंतन में खोया है कि आखिर आज इस देश में हो क्या रहा है? एक ओर जहां देश पर राज करने वाली भारतीय जनता पार्टी और उसके संगी-साथी भारत को 'हिन्दूस्तान' बनाने पर आमादा है तो आसन्न साम्प्रदायिकता से डरे सहमें लोग भारत की नागरिकता त्याग कर विदेशों की ओर पलायन कर रहे है, क्या अब यही कट्टरवाद ही हमारे प्रजातंत्र का भविष्य होगा? 'सर्वधर्म संभाव' का मंत्र देने वाले इस भारत में यह हो क्या रहा है? सत्ता व उससे जुड़े संगठनों के इस अभियान से देश के गैर हिन्दू धर्मावलम्बियों में भय की भावना का संचार कर दिया है, और इसी कारण शायद गैर हिन्दू भारत की नागरिकता त्याग कर विदेशों की ओर प्रस्थान कर रहा है।

पिछले दिनों मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट में 'हिन्दू एकता महाकुंभ' का आयोजन हुआ, जिसमें कतिपय संत प्रमुखों के साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत ने भी शिरकत की तथा इस महाकुंभ के माध्यम से देश की भाजपा सरकार को दिशा-निर्देश देने का प्रयास किया, जिनमें देश के एक दर्जन ज्वलंत मुद्दों पर मंथन और चिंतन कर केन्द्र सरकार से उन पर यथाशीघ्र फैसला लेने का अनुरोध किया गया। इस एक दर्जन मुद्दों में प्रमुख रूप से हिन्दुओं को अन्याय से मुक्ति, मठ-मंदिरों की सुरक्षा, धर्मान्तरण पर रोक, जनसंख्या नियंत्रण कानून, राष्ट्रवाद, समान नागरिक संहिता, लव-जिहाद, गौरक्षा, सामाजिक समरसता

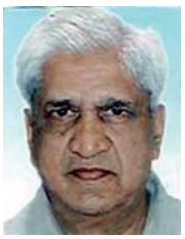

जैसे अहम् मुद्दें शामिल है। इस महाकुंभ के दौरान यह भी कहा गया कि आज इन सब मुद्दों को कार्यरूप में परिणत करने के लिए समय व परिस्थिति एकदम अनुकूल है, इसीलिए इस कार्य को 2024 के पहले पूर्ण कर लिया जाना चाहिये। साथ ही इस 'हिन्दू महाकुंभ' में इस बात पर भी विशेष जोर दिया गया कि जो हिन्दू धर्म परिवर्तन कर दूसरे धर्मों से जुड़ गए है, उन्हें वापस हिन्दू धर्म से जोड़ने का राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाना चाहिये और उनके मन की भ्रांतियां दूर करना है। यदि जरूरी हो तो केन्द्र सरकार को इस दिशा में विशेष पहल कर 'धर्म परिवर्तन निषेध' कानून तैयार कर उसे लागू करना चाहिये।

इस प्रकार एक ओर जहां 'हिन्दू महाकुंभ' जैसे आयोजनों को मूर्तरूप दिये जा रहे है, वही दूसरी ओर केन्द्र सरकार ने 'अयोध्या काण्ड' के 'सुखांत' से प्रभावित होकर अयोध्या के बाद काशी का कायाकल्प किया और अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा की ओर कूच की तैयारी है, जहां भव्य कृष्ण मंदिर के साथ पूरी मथुरा नगरी के काशी जैसे कायाकल्प का प्रस्ताव है, शायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के इन्हीं प्रयासों से प्रेरित होकर अन्य धार्मिक शहरों से उनसे उनके शहर से अगला चुनाव लड़ने की अपील की जा रही है, ऐसे शहरों में प्रमुख बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन (अवंतिका) प्रमुख है, जहां से मोदी जी से ऐसी अपील की गई है।

अब एक ओर जहां केन्द्र सरकार उसकी सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा 'हिन्दू मंदिर जीर्णोद्धार' अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर देश के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय भारत की नागरिकता त्याग कर भारी मात्रा में भारतीयों का विदेश पलायन है, हाल ही में स्वयं केन्द्र सरकार ने संसद में एक सवाल के जवाब में चौका देने वाला यह जवाब दिया कि वर्तमान में प्रतिदिन औसतन तीन सौ भारतीय अपनी नागरिकता का त्याग कर विदेशों की ओर प्रस्थान कर रहे है। बताया गया कि पिछले सात सालों में करीब नौ लाख (8.81 लाख) लोग भारतीय नागरिकता का परित्याग कर चुके है, सरकार ने विस्तृत आंकड़ों में बताया कि वर्ष 2015 में 131489, वर्ष 2016 में 141661, वर्ष 2017 में 133849, वर्ष 2018 में 134561, वर्ष 2019 में 144817, वर्ष 2020 में 85248 तथा 30 सितम्बर 2021 तक 131287 भारतीय अपनी नागरिकता का परित्याग कर चुके है। बताया गया कि वर्तमान में 1.33 करोड़ भारतीय अपनी नागरिकता का परित्याग कर विदेशों में निवासरत् है।

सूडोकु नवताल- 5925

कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidoot.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -5924 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शादी की उम्रः विश्व-गुरु भारत

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तय किया है कि लड़कियों की शादी की उम्र को 18 साल से बढ़ाकर 21 साल कर दिया जाएगा। अब लड़कों के समान लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल हो जाएगी। इस फैसले का कई लोग विरोध भी कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यह फैसला भी कृषि-कानूनों की तरह मनमाना है। क्या सरकार ने इसके बारे में भारत की लड़कियों से भी पूछा है? किसी कांग्रेसी महिला नेता ने बाल-विवाह की कुप्रथा का विरोध आर्यसमाज ने जमकर किया, जिसके फलस्वरुप 1929 में शारदा एक्ट का जन्म हुआ। अब जो फैसला हुआ है, वह स्त्री-पुरुष समानता का प्रतीक है। यदि लड़कों की शादी की न्यूनतम उम्र 21 साल है तो लड़कियों की भी वही उम्र क्यों न हो? नारियों को नरों से कमजोर क्यों समझा जाए? अभी भी देश की 23-24 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल के पहले ही हो जाती है। जब से लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ी है, देश में पैदा होनेवाले बच्चों की संख्या काफी घटी है और पैदा होते से ही मरनेवालों बच्चों की संख्या भी घटी है। उनका स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ है। लड़कियां देर से शादी करती हैं तो उनका शिक्षा का स्तर भी ऊँचा होता है और उनका रोजगार भी। उनका आत्म विश्वास भी ज्यादा होगा।

18 साल कर दिया गया था। भारत में तो लड़के-लड़कियों की शादियां उनके गर्भ में रहते हुए ही तय हो जाया करती थीं। इस बाल-विवाह की कुप्रथा का विरोध आर्यसमाज ने जमकर किया, जिसके फलस्वरुप 1929 में शारदा एक्ट का जन्म हुआ। अब जो फैसला हुआ है, वह स्त्री-पुरुष समानता का प्रतीक है। यदि लड़कों की शादी की न्यूनतम उम्र 21 साल है तो लड़कियों की भी वही उम्र क्यों न हो? नारियों को नरों से कमजोर क्यों समझा जाए? अभी भी देश की 23-24 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल के पहले ही हो जाती है। जब से लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ी है, देश में पैदा होनेवाले बच्चों की संख्या काफी घटी है और पैदा होते से ही मरनेवालों बच्चों की संख्या भी घटी है। उनका स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ है। लड़कियां देर से शादी करती हैं तो उनका शिक्षा का स्तर भी ऊँचा होता है और उनका रोजगार भी। उनका आत्म विश्वास भी ज्यादा होगा।

रणवीर सिंह अभिनीत सर्कस के एक गाने में मीनाम्मा का किरदार निभाएंगी दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इस साल अपनी फिल्म सर्कस में नजर आने वाले हैं। रोहित शेट्टी की इस फिल्म में रणवीर की पत्नी और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के दिखने भी खबरें सामने आई थीं। अब उनके किरदार के बारे में रोचक जानकारी सामने आई है। खबरों की मानें तो दीपिका सर्कस के एक गाने में नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि वह इस गाने में मीनाम्मा का किरदार निभाएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, सर्कस के एक गाने में दीपिका मीनाम्मा की भूमिका में नजर आएंगी। इसी साल खबर आई थी कि फिल्म में दीपिका कैमियो की भूमिका में दिखने वाली हैं। सूत्र ने कहा, कहा जा रहा है कि दीपिका चेन्नई एक्सप्रेस (2013) में निभाए गए अपने मीनाम्मा के किरदार को फिर से निभाएंगी। फिल्म को रोहित ने ही निर्देशित किया था और यह दीपिका के करियर की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। सूत्र ने कहा कि आजकल दीपिका को यादगार कॉमिक रोल में देखना दुलभ है। सूत्र ने बताया कि मीनाम्मा एक ऐसा किरदार था, जिसे सभी ने पसंद किया था और सर्कस जैसी मजेदार फिल्म में दीपिका को इस कैरेक्टर में देखना दिलचस्प होगा। ट्रेड एक्सपर्ट का मानना है कि रणवीर और उनकी पत्नी दीपिका बॉलीवुड की सबसे हॉट जोड़ियों में से एक हैं। एक दृश्य या गाने में ही कपल को साथ देखने के लिए दर्शक उत्साहित होंगे। दीपिका और रणवीर पहले भी बाजीराव मस्तानी और गोलियों की रासलीला राम-लीला में साथ काम कर चुके हैं। सर्कस को रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले टी-सीरीज के सहयोग से निर्मित किया जा रहा है। खबरों की मानें तो यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर भी रिलीज होगी। रणवीर पहली बार फिल्म में डबल रोल में दिखेंगे। वरुण शर्मा भी डबल रोल में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म विलियम शेक्सपियर के नाटक द कॉमेडी ऑफ एरर्स का रूपांतरण होगा। फिल्म में दो जुड़वा मालिक और दो जुड़वा नौकरों की कहानी को दिखाया जाएगा, जो बचपन में एक दूसरे से बिछड़ जाते हैं। इसके बाद जब बड़े होकर आपस में मिलते हैं, तो उनकी केमिस्ट्री शानदार होती है। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, पूजा हेगड़े, जॉनी लीवर जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आने वाले हैं।

राजकुमार राव ने शुरू की तेलुगु फिल्म हिट की हिन्दी रीमेक की शूटिंग

राजकुमार राव ने फिल्म इंडस्ट्री में अपना अलग मुकाम हासिल किया है। उन्होंने अपने अभिनय और अंदाज से लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वह पिछले कुछ समय से तेलुगु फिल्म हिट की हिन्दी रीमेक को लेकर सुर्खियों में थे। अब इस फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि राजकुमार ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में उनके साथ सान्या मल्होत्रा भी नजर आएंगी। राजकुमार ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की है। फिल्म समीक्षक ने इस संबंध में जानकारी साझा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, राजकुमार और सान्या अभिनीत हिट की हिन्दी रीमेक का मुहूर्त शॉट आयोजित किया गया था। इस हिन्दी रीमेक का निर्देशन डॉ शैलेश कोलानु करेंगे, जिन्होंने इसकी ऑरिजनल फिल्म का भी निर्देशन किया था। साथ ही तरण ने अपने पोस्ट में एक तस्वीर भी शेयर की है। भूमि पेडनेकर के साथ अपनी फिल्म बधाई दो की शूटिंग खत्म करने के बाद राजकुमार ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की है। सान्या फिल्म में राजकुमार के अपोजिट भूमिका में दिखने वाली हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सान्या ने कहा था, मैंने फिल्म हिट देखी है और मुझे वास्तव में फिल्म का कॉन्सेप्ट पसंद आया है। जब मुझे इस फिल्म की पेशकश की गई, तो मैंने तुरंत इसके लिए अपनी हामी भर दी। तेलुगु फिल्म हिट 2020 में रिलीज हुई थी। इसमें विश्व सेन और रूहानी शर्मा को मुख्य भूमिका में देखा गया था। यह फिल्म एक पुलिस वाले के बारे में है, जो एक लापता महिला का पता लगाने में जुटा होता है। यह एक थ्रिलर एक्शन फिल्म है, जिसे आईएमडीबी की वेबसाइट पर 10 में से 7.7 रेटिंग्स मिले हैं। हिट की हिन्दी रीमेक को भूषण कुमार, दिल राजू, कृष्ण कुमार और कुलदीप राठौर प्रोड्यूस करने वाले हैं। राजकुमार के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी कई फिल्में रिलीज की कतार में शामिल हैं। वह हंसल मेहता की फिल्म स्वागत है में अभिनय करते दिख सकते हैं।

रुबीना दिलैक ने किया अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म का ऐलान

छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री रुबीना दिलैक पिछले काफी समय से अपनी पहली फिल्म अर्ध को लेकर चर्चा में हैं। उनकी इस फिल्म से जुड़ी अब तक तमाम जानकारियां सामने आ चुकी हैं, लेकिन खुद रुबीना ने अपनी डेब्यू फिल्म की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की थी। अब आखिरकार उन्होंने अर्ध का पहला पोस्टर शेयर कर अपनी इस फिल्म का ऐलान कर दिया है।रुबीना ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला पोस्टर शेयर कर लिखा, एक नई शुरुआत.. फिल्म के पोस्टर में रुबीना का चेहरा तो नजर नहीं आ रहा है, लेकिन ऐसा लगता है कि फिल्म में उनका किरदार जबरदस्त होने वाला है। रुबीना का अंदाज देखने लायक है। सितारों से लेकर लेकर प्रशंसक तक रुबीना को उनकी पहली फिल्म के लिए बधाई दे रहे हैं। रुबीना ने यह जानकारी भी दी कि उन्होंने अपनी इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

इस साल जुलाई में रुबीना की पहली फिल्म को लेकर ट्विटर पर जानकारी देते लिखा था, रुबीना दिलैक बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। संगीतकार पलाश मुच्छल ने फिल्म अर्ध से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। रुबीना ने फिल्म साइन कर ली है। उन्होंने लिखा, रुबीना दिलैक के साथ पलाश ने टीवी एक्टर हितेन तेजवानी को साइन किया है, वहीं, राजपाल यादव भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। रुबीना ने 2006 में मिस शिमला का ब्यूटी कॉन्टेस्ट और फिर 2008 में मिस नॉर्थ इंडिया का खिताब अपने नाम किया था। उसी साल रुबीना ने धारावाहिक छोटी बहू से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिर उन्हें कसम से और सात फेरे जैसे कई नामी धारावाहिकों में देखा गया। धारावाहिक शक्ति-अस्तित्व के अहसास की में किन्नर बहू बन रुबीना ने दर्शकों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वह आजकल इसी शो में नजर आ रही हैं। रुबीना रियलिटी शो बिग बॉस 14 में नजर आई थीं। इसमें दर्शकों ने रुबीना को दिल खोलकर प्यार दिया और टॉप ट्रेंड में बनाए रखा।

भयानक अवतार में दिखीं नुसरत भरूचा, जारी हुआ 'छोरी' का पहला मोशन पोस्टर

एमेजॉन प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी हॉरर मूवी 'छोरी' की भयानक झलक दिखाई है. विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और टी-सीरीज, क्रिप्ट टीवी और एबंडेशिया एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह एमेजॉन ओरिजिनल मूवी 'छोरी' एक सराहनीय मराठी फिल्म 'लपाछपी' की रीमेक है. इस फिल्म में नुसरत भरूचा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. भारत और 240 देशों व क्षेत्रों में मौजूद प्राइम मेंबर आगामी नवंबर में इस बहु-प्रतीक्षित फिल्म को एमेजॉन प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से स्ट्रीम कर सकते हैं. ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा ओरिजिनल हॉरर मूवी छोरी के अंदरूनी संसार की एक झलक दिखाने की कोशिश की गई है. यह फिल्म हैलोवीन जैसी भयानक भले ही न हो, लेकिन इसकी दिल दहला देने वाली पहली डरावनी झलक यकीनन रीढ़ में सिहरन पैदा कर देगी. जब पहली झलक ही आपको इतना खौफनाक अनुभव दे रही है, तो आप केवल सोच ही सकते हैं कि फिल्म दर्शकों के सामने कैसा गजब ढाने जा रही है. फिल्म की पहली झलक देखने के बाद एमेजॉन ओरिजिनल मूवी छोरी को देखने के लिए दर्शक बेताब हैं, जो आगामी नवंबर में दर्शकों को अभूतपूर्व ढंग से डराने के लिए तैयार है. हॉरर फिल्म के प्रेमी दर्शक एक रोमांचक सफर के लिए कमर कस चुके हैं और फिल्म के मेकर्स को यकीन है कि यह मोशन पोस्टर देखने के बाद आज की रात वे लाइट ऑन करके ही सोएंगे. फिल्म के इस मोशन पोस्टर को देखने के बाद दर्शक इसे देखने के लिए उत्साहित हैं. छोरी एक आगामी हॉरर फिल्म है, जिसे विशाल फुरिया ने निर्देशित किया है और फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार, कृष्णन कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस और शिखा शर्मा हैं।

मनी हीस्ट को मिस कर रही हैं अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे शो के प्रशंसकों के एक समूह के साथ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में मनी हीस्ट के पिछले सीजन के एक विशेष पूर्वावलोकन में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि वह इस शो को मिस करेगी क्योंकि यह शो का आखिरी सीजन है। मनी हाइस्ट की प्रशंसक होने के नाते अनन्या ने कहा, एक ऐसी सीरीज का जश्न मनाना बेहद रोमांचक है जिसकी मैं और बहुत सारे प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मनी हीस्ट नेटफ्लिक्स पर मेरे पसंदीदा शो में से एक है और मैं बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। यह दुख की बात है कि यह सीरीज का आखिरी सीजन है।उन्होंने आगे कहा, मैं शो और पात्रों को याद करूंगी, विशेष रूप से डेनवर, वह मेरा पसंदीदा है। जैमे लोरेंटे ने एक शानदार काम किया है - डेनवर की हंसी अविस्मरणीय है और वह एक बहादुर आदमी है जो अपने परिवार के लिए यह सब कुछ देग ! अभी के लिए, मैं मनी हीस्ट के नए सीजन को देखने के लिए उत्सुक हूं। नेटफ्लिक्स इंडिया ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को अपने कब्जे में ले लिया और सभी के पसंदीदा गिरोह को ट्रीब्यूट दी।

अमायरा दस्तूर ने बिकिनी में शेयर की तस्वीरें तो भड़क गए यूजर्स

बॉलिवुड के साथ-साथ साउथ की फिल्मों में धमाल मचा रहीं ऐक्ट्रेस अमायरा दस्तूर इस वक्त अपनी बिकिनी वाली तस्वीरों को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। अमायरा ने हाल ही बिकिनी में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। अमायरा दस्तूर हाल ही अपने गर्ल गैंग के साथ एक ट्रिप पर गई थीं और वहां से उन्होंने ब्लू कलर की प्रिंटेड बिकिनी में तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अमायरा बेहद ग्लैमरस और हॉट लग रही हैं। अमायरा दस्तूर की इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर कुछ सोशल मीडिया हैंडल्स पर शेयर किया गया है। जहां फैन्स अमायरा की इन तस्वीरों की तारीफें कर रहे हैं तो वहीं कुछ यूजर्स इन्हें देख भड़क गए हैं और खूब आपत्तिजनक बातें बोल रहे हैं। अमायरा दस्तूर इस वक्त तमिल फिल्म 'बघीरा' की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म में उनके ऑपोजिट ऐक्टर प्रभुदेवा हैं। यह फिल्म साल 2022 में रिलीज होगी। अमायरा दस्तूर ने 8 साल के करियर में 11-12 फिल्में और कुछ वेब सीरीज में काम किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने यह दावा कर चौंका दिया था कि बॉलिवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने भी हैरेसमेंट झेला है। लेकिन वह तब तक किसी पर उंगली नहीं उठाएंगी, जब तक कि उन्हें यह न लगे कि वह सेफ नहीं हैं।

कैचअप का अति सेवन करना हो सकता है आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, जानिए इसके कुछ दुष्परिणाम

टोमेटो कैचअप सामने आते ही मुंह से पानी निकलने लगता है और अधिकांश लोगों को हर चीज के साथ टोमेटो कैचअप खाने की आदत होती है। कैचअप खाने की आदत सिर्फ बच्चों में ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोग में होती है। ब्रेड पकोड़ा, मैगी, पिज्जा हो या बर्गर, पास्ता, सभी के साथ इन्हें कैचअप खाने की आदत है। लेकिन आपको यह जानना चाहिए कि किसी भी चीज को जरूरत से ज्यादा खाने से इसका खामियाजा आपकी सेहत को भुगतना पड़ता है। कैचअप आपके सेहत के लिए नुकसानदेह है। संशोधन के मुताबिक, कैचअप में न तो प्रोटीन होता है, न ही फाइबर। इसके बजाय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थ ज्यादा होते हैं। कैचअप में शुगर, नमक, कई तरह के मसाले और फरुक्टोज कॉर्न सिरप का इस्तेमाल किया जाता है जो हेल्थ के लिए बहुत नुकसानदायक है। इसके कई साइड इफेक्ट हैं-

ज्यादा प्रमाण में कैचअप खाने के साइड इफेक्ट

1. **मोटापा:** कैचअप में ज्यादा फरुक्टोज होता है इसलिए यह मोटापा को बढ़ाता है और इंसुलिन की मात्रा को भी कम करता है।
2. **पोषक तत्वों का अभाव:** टमाटर में ज्यादा पोषक तत्व नहीं पाए जाते है। इसमें प्रोटीन और फाइबर भी नहीं होता इसलिए ज्यादा कैचअप हेल्थ के लिए नुकसानदेह है।
3. **एसिडिटी** - कैचअप एसिडिक नेचर का होता है। इसलिए यह एसिडिटी और हार्टबर्न की समस्याएं पैदा कर देता है। यह डाइजेस्टिव सिस्टम को भी खराब करता है।
4. **किडनी प्रॉब्लम** - ज्यादा कैचअप खाने से पेशाब में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है। इससे किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है।
5. **एलर्जी** - कैचअप में हिस्टामाइन्स केमिकल की मात्रा ज्यादा होती है। हिस्टामाइन्स कई लोगों में एलर्जी की समस्या पैदा कर सकता है। इसलिए इससे एलर्जिक रिएक्शन जैसे छींक आने और सांस लेने समस्या हो सकती है।
6. **जोड़ों में दर्द:** किसी भी तरह के प्रोसेस्ड और पहले से तैयार फूड में सूजन पैदा करने की क्षमता होती है जो जोड़ों के दर्द को बढ़ा सकती है।

महिलाएं वैक्सिंग, मैनीक्योर और पेडीक्योर करते वक़्त इन बातों का रखें ध्यान

आज कल के जमाने में महिलाएं और युवतियां खूबसूरत दिखने के लिए फैशनेबल आउटफिट के साथ साथ वैक्सिंग, मैनीक्योर और पेडीक्योर करवाती हैं। हाथ पैरो को कोमल बनाने के लिए महिला वर्ग हर महीने पार्लर जाती हैं। कई बार छोटी गलती की वजह से स्किन पर इसका बुरा प्रभाव देखने को मिलता है। इसलिए चलिए जानते हैं वैक्सिंग, मैनीक्योर और पेडीक्योर करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

1. वैक्सिंग तभी करना चाहिए जब बालों की ग्रोथ आधा इंच से ज्यादा हो। छोटे बालों में वैक्स नहीं करवानी चाहिए। जल्दी जल्दी वैस्क नहीं करवानी चाहिए। महीने में एक बार वैक्स करवानी चाहिए।
2. वैक्सिंग करवाते से पहले और बाद में लोशन नहीं लगाना चाहिए। वैक्सिंग प्रोडक्ट का यूज अपनी स्किन टाइप के अनुसार करें।
3. पेडीक्योर करवाने के बाद अगर आपको दर्द या जलन होती है तो आप गर्म टॉवल का मदद से आराम पहुंचा सकते हैं। गर्म तौलिए को थोड़ी देर तक पैरों पर लपेट लें। इससे आपको आराम मिलेगा।
4. नाखून पर नेल पॉलिश लगाने से सबसे पहले अपने नाखूनों को साफ करें। नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल कर नेल्स अच्छे से साफ कर लें। इससे आपकी नेल पॉलिश अच्छे से लग जाएंगी।
5. वैक्स हमेशा गर्म करके लगाई जाती हैं। ज्यादा गर्म करने से वैक्स जल जाती है जिससे स्किन जलने का डर बना रहता है। ऐसे में वैक्स को ज्यादा गर्म न करें। वैक्सिंग करने के बाद एंटीसेप्टिक क्रीम जरूर लगाएं। अगर आपकी स्किन पतली है तो आप ज्यादा ऑयली क्रीम ना लगाएं।

शांतिपूर्ण ढंग से पंचायत चुनाव करवाने को अम्बाह एसडीओपी अशोक जादौन ने तैयार किया एक्शन प्लान

अवैध हथियार और शराब की तस्करी रोकने जिले के सभी बॉर्डरों पर होगी नाकाबंदी

केशब पंडित जी चम्बल ब्यूरौ

अम्बाह... आगामी दिनों में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की गतिविधियां तेजी से चल रही हैं। इसी कड़ी में अम्बाह एसडीओपी अशोक सिह जादौन ने शांतिपूर्ण ढंग से इस चुनाव संपन्न करवाने के लिए एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। जिसके चलते अवैध हथियार और शराब की तस्करी रोकने के लिए अम्बाह डिबीजन के सभी बॉर्डरों पर नाकाबंदी किए जाने हेतु एसटीएफ को तैयार किया जा रहा है श्री जादौन ने बताया कि पहले डिबीजन में होने वाले चुनावों में हिंसा व गोलीबारी की घटनाएं आम बात थी, लेकिन इस बार शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव करवाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं, और जो भी माहौल खराब करने का प्रयास करेगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीओपी अशोक जादौन का कहना है कि शांतिपूर्ण चुनाव निपटाने को हमें दूसरे राज्य से आने वाले अवैध पर रोक लगाना होगी, जिसके लिए डिवीजन की सभी सीमाओं पर नाके स्थापित किए जाएंगे, जहां से हर आने-जाने पर राउंड द क्लॉक नजर रखी जाएगी। यहां बताना गौरतलब होगा, कि श्री जादौन प्रोबीजन पीरियड पदस्थ थे, तब उन्होंने वहां भी एक अभियान चलाया था, जिसके तहत अवैध हथियार तस्करी सहित अन्य गैरकानूनी कार्यों में संलिप्त पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन एवं लाइन अटैच जैसी कार्रवाई की गई थी। अब अम्बाह डिवीजन की कमान संभालते ही उन्होंने यहां भी अपने अधीनस्थों को स्पष्ट हिदायत दे दी है, कि यदि कोई वर्दीधारी अवैध गतिविधियों में संलग्न पाया जाएगा, तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बदमाश होंगे बाउंड ओवर पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए अशोक सिह चौहान ने पूरी तैयारी कर ली है। जिसके तहत उन्होंने डिवीजन के सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र के गुंडे-बदमाशों को बाउंड ओवर किए जाने के निर्देश निर्देश जारी कर दिए हैं, वहीं संवेदनशील पंचायतों में बदमाश किस्म के लोगों को चिन्हित कर उन पर विशेष नजर रखी जाएगी। उधर बॉर्डर चेकिंग के लिए एसडीओपी जादौन ने कलेक्टर को प्रस्ताव भेज दिया है। बता दें कि इस बार पंचायत के चुनाव तीन चरणों में संपन्न कराए जाएंगे। जिसमें पहला चरण 6 जनवरी, दूसरा 28 और तीसरा 16 फरवरी को होगा। जिसके लिए पंचायत क्षेत्रों में निवास करने वाले सभी लायसेंसी शस्त्रधारियों को आगामी 18 दिसंबर तक अपने हथियार अनिवार्य रूम से जमा करवाना होंगे।उसैथ घाट, नगरा घाट, होलापुरा घाट, कुथियाने घाट, के बॉर्डर पर बरती जाएगी अधिक सख्ती पंचायत चुनाव में हिंसा की वारदातों को रोकने के लिए यूं तो पुलिस द्वारा जिले की सभी सीमाओं पर राउंड द क्लॉक नजर रखी जाएगी, लेकिन एमपी-यूपी को जोड़ने वाले उसैथ, होलापुरा, बरसलो, नगरा, कुथियाने, के बॉर्डर पर अधिक सख्ती बरती जाएगी। क्योंकि सबसे अधिक हथियारों की खेप इसी रास्ते से होकर आती है, इसलिए यहां विशेष चेकिंग प्वॉइंट लगाया जा रहा है।द्व

शिवपुरी शहर के 08 स्थानों को मिली ओपन जिम की सौगात

अनिल कुशवाह ब्यूरो

शिवपुरी- खेल और युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया के प्रयासों से शिवपुरी के नागरिकों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए शिवपुरी शहर के मुख्य स्थल जहां नागरिक प्रतिदिन वॉक एवं रनिंग एक्सरसाईज आदि करते है। ऐसे 08 स्थानों को चिन्हित कर 11 स्टेशन ओपन जिम लगाई जा रही हैं।जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी डॉ.के.के.खरे ने बताया कि उन 08 स्थानों को चिन्हित किया गया है जिसमें वार्ड नं. 15 श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया पार्क, तिकोनिया पार्क गांधी पार्क मैदान के सामने, फिजिकल कॉलेज मैदान, तात्या टोपे पार्क राजेश्वरी रोड, वीर सावरकर पार्क, पोलो ग्राउण्ड जिम के पास, पटेल पार्क एवं जिला खेल परिसर में ओपन जिम स्थापित की गई है। जिसके प्रत्येक सेट की कीमत लगभग राशि रू. 8 लाख है। जिसमें लेग प्रेस, आर्म एण्ड शोल्डर व्हील, डबल कास वॉकर, एलिप्टीकल एक्सरसाईजर, सिट अप स्टेशन, एक्सरसाईजिंग बार, चिन अप बार, आर्म व्हील, रोविंग मशीन, नी हिप रेस, टिव्हिस्टर साथ-साथ लगाई गई है। इन मशीनों का उपयोग करने से आम जनता शरीर को फिट कर सकेंगे और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी होंगे। इसके साथ-साथ नियमित अभ्यास करते रहने से कई प्रकार की बीमारियों से छूटकारा पायेगें एवं अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ा सकेगें। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी डॉ.के.के.खरे ने बताया कि इन मशीनों का उपयोग किस प्रकार से किया जा सकता है। इस हेतु विभाग द्वारा 01 प्रशिक्षक(जिम ट्रेनर) समय-समय पर प्रत्येक केन्द्र पर उपलब्ध कराया जायेगा।

वन-टू-वन

दतिया कोतवाली पुलिस ने किया चोरी का खुलासा

शातिर चोर चोरी के माल सहित कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में

संदीप प्रधान उप संपादक की रिपोर्ट

दिनांक 16-12-21 को फरियादी वीरेंद्र गुप्ता पुत्र स्वर्गीय हरिशंकर गुप्ता निवासी धमताल पुरा ने थाना पर उपस्थित आकर रिपोर्ट लिखवाई की दिनाँक 05-12- 21 को जब वह अपने परिवार के साथ डबरा गया था तो उसी रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने ताला तोड़कर उसके घर पर सोने चांदी के आभूषण कीमती 70000 रुपये के चुरा लिये जिस पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 607 /21 धारा -380 ,456 ताहि का पंजीबद्ध कर अज्ञात चोर /चोरो की तलाश शुरू की गई दतिया पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौर जी के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल सिंह मौर्य जी तथा एसडीओपी श्री सुमित अग्रवाल जी के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस ने सघनता से चोरो की तलाश शुरू कि तथा तत्परता से मुखबिर सूचना पर शैलेश उर्फ शैलू पुत्र द्वारका प्रसाद सेजरिया निवासी धमतालपुरा को पकड़ा जिस ने पूछताछ पर जुर्म स्वीकार किया आरोपी के कब्जे से चोरी गया माल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।

ये मशरुका हुआ बरामद: एक सोने की अंगूठी ,एक सोने का मंगलसूत्र ,6 गुरिया सोने के ,एक सोने का पेंडल, एक सोने की हाय कुल कीमती 70000 रुपये ।

गिरफ्तारी में इनकी रही मुख्य भूमिका: निरीक्षक रविंद्र शर्मा थाना प्रभारी कोतवाली, उपनिरीक्षक आकाश संसिया, उप निरीक्षक कृष्णा शर्मा, प्रधान आरक्षक शिव गोविंद चौबे, प्रधान आरक्षक शिवकुमार, आरक्षक दिलीप प्रधान ,आरक्षक रविंद्र यादव आरक्षक पुष्पेंद्र ,आरक्षक सोनपाल आरक्षक जसवंत, सैनिक अखिलेश

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासेना के बने मध्यप्रदेश अध्यक्ष

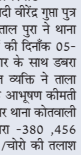

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । अखिल भारतीय क्षत्रिय महासेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री डॉ भूपेंद्र सिंह गहलोत जी ने समाजसेवी संजय सिंह कुशवाह जी को समाज और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, लगन और समर्पण को देखते हुए उन्हे अखिल भारतीय क्षत्रिय महासेना का प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश मनोनीत किया है इस अबसर पर संजय सिंह जी को मुकेश सिंह तोमर जी, प्रदेश प्रभारी डॉ उत्तम सिंह जी प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान परीक्षत सिंह परमार जी, युवा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह जी, सतीश व्यास जी, सत्यभान सिंह चौहान जी, सतेंद्र सिंह तोमर एवं अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोगो ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

एलएचबी कोच की नई योगा एक्सप्रेस का किया साई संस्था ने भव्य स्वागत

पाली –मारवाड़ जंक्शन 16 दिसंबर रेलवे द्वारा एक्सप्रेस गाड़ियों में कोच के कलर का बदलाव व अन्य प्रकार की सुविधाओं को लेकर उत्तर पश्चिम रेलवे के रेलवे ट्रैक पर प्रथम रेलगाड़ी के रूप में अहमदाबाद से प्रस्थान होकर हरिद्वार की ओर जाने वाली एलएचबी कोच योगा एक्सप्रेस का भव्य स्वागत गुरुवार को मारवाड़ क्षेत्र की एकमात्र स्वयंसेवी संस्था श्री साई दर्शन सेवा संस्थान के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह मीणा द्वारा पदाधिकारियों के साथ किया गया। इस मौके पर इस रेलगाड़ी को नए कोच के रूप में लेकर इलेक्ट्रिक डीजल में पहुंचे।

एसपी-कलेक्टर पहुंचे दबोह,यूपी-एमपी के बॉर्डर का किया निरीक्षण

दबोह(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पाजंली टुडे)

भिंड कलेक्टर सतीश कुमार एस व नवागत एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान शुक्रवार को दबोह पहुंचे।इस दौरान उन्होंने उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश के बॉर्डर दबोह थाना क्षेत्र के ग्राम सलैया पर पहुंचकर नाके का निरीक्षण किया।वहां पहुंचकर उन्होंने नाका बनाने एवम वाहन चैंकिंग को लेकर मौका मुआयना किया।वहीं भिंड कलेक्टर ने आगामी चुनाव के चलते आमजनता से शांति बनाए रखने व आगे आकर वोट करने की अपील की है।इस दौरान भिंड कलेक्टर सतीश कुमार एस,नवागत एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान,एसडीओपी लहार अवनीश बंसल,एसडीएम आर ए प्रजापति,थाना प्रभारी लहार समेत थाना दबोह पुलिस मौके पर मौजूद रही।

पहली बार दबोह पहुंचे नवागत एसपी-

जाम में फंसे: आगामी पँचायत चुनाव के चलते शुक्रवार को भिंड के नवागत एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान भिंड कलेक्टर सतीश कुमार एस समेत दबोह पहुँचे थे।जिस दौरान दबोह से वापस भिंड को ओर लौटते समय कलेक्टर-एसपी का काफिला भिंड-भांडेर रोड गणेश चौक पर दो ओवरलोड गिट्टी के ट्रको की वजह से फंस गया।उसके बाद आनन फानन में एसडीओपी लहार,टीआई लहार व टीआई दबोह ने गाड़ी से उतरकर जाम खुलवाया।यहां बता दें कि कलेक्टर एसपी के दबोह पहुंचने से पहले ही थाना दबोह पुलिस ने कोंच रोड समेत मुख्य मार्ग की लाइन क्लेयर कराई थी परंतु उसके बाद भी भिंड भांडेर रोड पर एसपी कलेक्टर का काफिला फंस गया।यहां बताना मुनासिब होगा कि इससे पहले भी 04 मार्च 2021 को क्षेत्रीय दौरे पर रहे भिंड के पूर्व एसपी रह चुके मनोज कुमार सिंह व कलेक्टर सतीश कुमार एस का भी काफिला दबोह थाने के पास गणेश चौक पर फंस गया था।जिसे भी दबोह थाना पुलिस ने आनन फानन में खुलवाया था।यहां बता दें कि इसके बाद भी दबोह की टैफिक व्यवस्था अब तक कोई सुधार नही आया।

कोराना टीकाकरण महाअभियान 2021 के अंतर्गत जिले में 661 स्थानों पर किया गया वैक्सीनेशन

विकास अधिकारी चौधरी ने किया टीकाकरण शिविर का निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे। पाली

पाली / कोविड-19 टीकाकरण महाअभियान 2021 के अंतर्गत पाली ब्लॉक के 59 स्थानों पर कोराना टीकाकरण सत्र का किया गया आयोजन । कोविड-19 टीकाकरण अभियान 2021 के तहत पाली जिला कलेक्टर आईएएस अंशदीप के निर्देश के अनुसार कोराना टीकाकरण सेंटर पर विभिन्न विभाग के कार्मिक एवं स्वास्थ्य कर्मियों को अपने अपने सेंटर पर लक्ष्य को पूरा करने हेतु पाबंद किया गया। कोराना टीकाकरण महा अभियान 2021 के तहत ब्लाक के विभिन्न स्थानों पर पाली पंचायत समिति विकास अधिकारी मोहनलाल चौधरी ने कोराना टीकाकरण शिविर का निरीक्षण करके स्वास्थ्य कर्मियों को अपने लक्ष्य पूरा करने के लिए निर्देश देकर टीकाकरण स्थल पर मौजूद लोगों को कोराना महामारी बचाव हेतु जानकारी दी गई। रूपावास ष्श1द्वस्र-19 टीकाकरण महा अभियान 2021 के तहत 212 लोगों को वैक्सीनेशन किया गया ग्राम पंचायत के मुलियावास, केरला, चवरडा की ढाणी, राऊ नगर, मुलाजी की ढाणी, नारूजी की ढाणी सहित गांव में कोविड वैक्सीन टीकाकरण का शिविर अभियान किया जिसमें प्रथम व द्वितीय डोज 18+ व 45 वर्ष से ऊपर युवाओं व महिलाओं पुरूषों ने सेवा योगदान देकर बढ चढ कर अपनी बारी का इंतजार कर लम्बी कतार में खड़े होकर जोश के साथ 212 लोगों ने कोरोना टीका लगाया गया ।

विधानसभा फतेहाबाद 93 से नया चेहरा निकलकर सामने आया

संजयसिंह तोमर रिपोर्टर पीटीवी न्यूज़ खेरागढ़

फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा से अपनी दावेदारी जता रहे, लहरा के पूर्व प्रधान रहे आनंद शर्मा द्वारा आज एक प्रेस वार्ता शमशाबाद के एन वी गार्डन में आयोजित की गई.आनंद शर्मा ने कहा कि भाजपा उन्हें इस क्षेत्र से टिकट देती हा। तो वह क्षेत्रीय होने के नाते विकास से पिछड़ते राजस्थान की तलहटी से सटे फतेहाबाद क्षेत्र के विकास को आधुनिक तरीके से विकास की पहल करेंगे।जिसमे पहली प्राथमिकता पीने के पानी को होगी.जो क्षेत्र के लोगो की एक बहुत बड़ी मांग है।जिसकी ओर आज तक किसी ने ध्यान नही दिया। वही यहा के आलू उत्पादक किसानों की आलू और अन्य सब्जी की पैदावार को अन्य प्रदेशों में विक्रय कराने का प्रयास भी मेरी प्राथमिकता में रहेगा।

मुस्लिम इतजामिया संस्था रानी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को दिया ज्ञापन

पुष्पांजलि टुडे। पाली

रानी । मुस्लिम इंतजामिया संस्था रानी के सदर हाजी अब्दुल हमीद कुरैशी के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के नागरिकों द्वारा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत , वक्फ, अल्पसंख्यक मामलात मंत्री साले मोहम्मद , पाली ज़िला प्रभारी मंत्री टीकाराम जुली , प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग चैयरमैन आबिद कागजी , पाली जिला कलेक्टर , व पाली जिला अल्पसंख्यक अधिकारी के नाम उपखण्ड अधिकारी रानी रविकांत सिंह को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया ।

संस्था के सदर अब्दुल हमीद ने बताया कि रानी में कब्रस्तान की कुछ दुकानों से अवैध अतिक्रमियों को बेदखल कर उन्हें कब्जा सुपूर्द करने के लिए माननीय न्यायालय राजस्थान वक्फ अधिकरण जयपुर के आदेश दिनांक 31 - 8 - 2021 को जारी किए थे । न्यायालय के उक्त आदेश की पालना कराने के लिए कार्यालय राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फस ज्योतिनगर जयपुर से पत्र क्रमांक वक्फ/ 54/55/ 2021/ 385/387/ 389/ 391/ 393 दिनांक 24--9 - 21 कुल 5 अतिक्रमियों के नाम जिनमे सलीम मोहम्मद , मोहम्मद असलम , घीसुलाल , चम्पालाल ,व शेख हैदर को उक्त दुकानों से बेदखल कर न्यायालय की पालना सुनिश्चित करने के लिए उपखण्ड दंडनायक रानी जिला पाली को आदेश देकर माननीय न्यायालय राजस्थान अधिकरण जयपुर के आदेश दिनांक 31- 08 - 2021 की पालना में अवैध कब्जा तथा बकाया किराया व हर्जा सम्पति उपभोग उपयोग प्राथिगण को दिलाये जाने का आदेश दिया। ज्ञापन में बताया गया कि उपखण्ड दंडनायक द्वारा अतिक्रमियों को 29 - 11 - 21 तक दुकाने खाली करने के लिए नोटिस दिए। बाद में 13 - 12 - 21 तक खाली करने के लिए नोटिस दिए , लेकिन कार्यवाही नहीं कि गई। बाद में उपखण्ड दंडनायक के निर्देश पर तहसीलदार रानी द्वारा 15 -12 - 21 को 2 बजे तक खाली करने का अंतिम नोटिस उक्त दुकानों के दरवाजों पर चस्पा किया गया जिसमे समय सीमा तक खाली नहीं करने पर प्रशासन द्वारा खाली कराने का लिखा था । उन्होंने बताया कि 15 - 12- 21 सांय तक पुलिस व नगरपालिका प्रशासन , आर आई ,पटवारी एवं संस्था के सदस्य मोके मौजूद रहै, लेकिन तहसीलदार के नहीं आने से न्यायालय के आदेश की पालना नही की गई । आश्चर्य की बात है कि प्रशासन द्वारा दो अतिक्रमियों को 7 दिन का समय और दे दिया गया । नागरिकों में प्रशासन द्वारा न्यायालय के आदेश की क्रियान्विति नहीं कर अतिक्रमियों को बार बार समय देने के लिए प्रशासन के प्रति कई तरह की बातें की जारही है। ज्ञापन में मुख्यमंत्री एवं वक्फ मंत्री से न्याय दिलाने की मांग की । इस अवसर पर मुस्लिम इंतजामिया संस्था के सदर हाजी अब्दुल हमीद ,जनरल सेक्रेटरी बशीरुद्दीन , सेक्रेटी माँगूखां मकरानी , कैशियर शेख हसरत , मदरसा हसनेनिया सदर हाजी मोहम्मद यासीन , खिलाफत खान , मोहम्मद इशहाक साबरी , मोहम्मद इस्माइल सहता बिजोवा , मोहम्मद रमजान डायर , इलियास अब्बासी , अफजल खान अब्बासी ,मेहबूब खान अब्बासी , अलीमोहम्मद पठान, सत्तर मोहम्मद, इरसाद अब्बासी ,छोटुखा , ईसरार अहमद, वसीम कुरेशी, नासिर खान , रज्बअली , सतार मोहम्मद , अब्दुल हमीद , मुबारक खान पठान, मोहम्मद हुसैन , अरशद खान,इंतजार अली , मुसतफ़ा , अय्यूबखान सहित दर्जनों समाजबंधु उपस्थित थे ।

अब चुनाव आयोग के पाले में गेंद, टल सकते हैं मध्य प्रदेश के पंचायत चुनाव सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग से कहा है कि यदि चुनाव संविधान के अनुसार हो तो कराएं...

नहीं तो टाल दें, ऐसे में अब आयोग की बाध्यता है कि वह संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार इन चुनावों को कराएं...

केशब पंडित जी चम्बल ब्यूरौ...??

भोपाल... मध्य प्रदेश पंचायत चुनावों की तारीखों के ऐलान के बाद बड़ा ट्विस्ट आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत चुनाव पर स्टे लगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अब पंचायत चुनाव पर तलवार लटक गई है और गेंद चुनाव आयोग के पाले में चली गई है। आज सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग से कहा है कि यदि चुनाव संविधान के अनुसार वह तो कराएं नहीं तो टाल दें, ऐसे में अब आयोग की बाध्यता है कि वह संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार इन चुनावों को कराएं।वहीं निर्देश को न मानने पर पंचायत चुनाव रद्द भी किए जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद सियासी हलचल भी तेज हो गई है।

मप्र पंचायत चुनाव को लेकर आई बड़ी खबर, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ये बड़ा फैसला: दरअसल, मध्य प्रदेश में पंचायती राज चुनाव 202021 मे

संवैधानिक प्रावधानों का पालन न करने और 2014 की रोटेशन पद्धति के आधार पर कराने को लेकर चुनौती दी गई थी। इन याचिकाओ में साफ तौर पर कहा गया था कि राज्य सरकार मनमाने तरीके से संवैधानिक प्रावधानों को अपने तरीके से इस्तेमाल कर रही है और यह पंचायती राज्य के प्रावधानों के विपरीत है। सुप्रीम कोर्ट (स्ह्वश्चह्म्द्गद्वद्ग ष्टश्ह्वह्म्ह्ल) ने अब आयोग को यह निर्देश दिए हैं कि वह इन चुनावों को जारी रखने या टालने पर खुद ही विचार करें। लेकिन इस बात को याद रखें कि यह संवैधानिक प्रावधानों के तहत हो। वही जिला पंचायत अध्यक्षों की आरक्षण की प्रक्रिया 18 दिसंबर को होना है, लेकिन पंच, सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्यों, उपाध्यक्ष व अध्यक्ष के लिए अगर 2014 की आरक्षण प्रक्रिया का ही पालन किया जाता है तो यह साफ तौर पर संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन होगा।

दंदरौआ धाम पधारने पर सिंधिया का हुआ भव्य स्वागत

दैनिक पुष्पांजली टुडे बृजपाल सिंह गुर्जर

मेहगांव भारत सरकार के केंद्रीय उड्डयन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया मेहगांव विधानसभा क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिल स्थल पर पधारे जहाँ पर उन्होंने सर्प्रथम गो पूजन किया तदुपरांत श्रीमंत सिंधिया ने डॉक्टर हनुमानजी महाराज के दर्शनों का लाभ लेकर मन्दिर के महंत श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया श्रीमंत सिंधिया के दंदरौआ धाम आगमन पर कार्यकर्ताओं नेअपने एक सैकड़ा समर्थकों के साथ ढोल नगाड़े आतिशबाजी चलाकर अपने प्रियनेता का भव्य स्वागत किया

यह रहे मौजूद

दंदरौआ धाम पर डॉक्टर हनुमाजी महाराज के दर्शन करने के लिए पधारे ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के साथ ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर नगरीय विकास राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया भाजपा जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर पूर्ब विधायक रणवीर जाटव केपी सिंह भदौरिया देबेन्द्र नरवरिया सतेंद्र भदौरिया राजेंद्र सिंह गुर्जर मण्डल अध्यक्ष गजेंद्र भदौरिया सुभाष थापक राजबीर गुर्जर जेल सिंह नरवरिया रजनी श्रीवास्तव रोहित करैया धर्मेंद्र गुर्जर प्रिंस दुबे के अलावा भाजपा के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

2022-23 के लिए बिजली कंपनियों की टैरिफ याचिका मंजूर

1 साल में तीसरी बार महंगी होगी बिजली

8.71 प्रतिशत दर बढ़ाने का प्रस्ताव

भोपाल। प्रदेश में महंगी बिजली करने की तैयारी है। प्रदेश की बिजली कंपनियों की ओर से वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 8.71 प्रतिशत बिजली की दर बढ़ाने की पेश की गई याचिका को मप्र राज्य नियामक आयोग ने स्वीकार कर लिया है। अब इस पर आम बिजली उपभोक्ताओं से आपत्तियां आमंत्रित कर सुना जाएगा। इसके बाद नियामक आयोग बिजली की दरों को बढ़ाने का निर्णय लेगा। कंपनियों की डिमांड के मुताबिक दरें बढ़ाई गई तो एक बिजली उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका लगेगा।

प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियों (पूर्व, मध्य और पश्चिम) की ओर से वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कुल 48 हजार 874 करोड़ रुपए की जरूरत बताई है। इसमें सबसे अधिक 19 हजार 428 करोड़

रुपए पश्चिम क्षेत्र कंपनी खर्च करेगी। वहीं सबसे कम खर्च पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी करेगी। जबकि इस कंपनी के कार्यक्षेत्र में 20 जिले शामिल हैं।

कंपनी की ओर से दावा किया गया है कि उसे इस जरूरत के मुकाबले मौजूदा बिजली दर पर 3915 करोड़ रुपए कम प्राप्त होंगे। इसकी भरपाई के लिए उसे बिजली की दरों में 8.71 प्रतिशत बढ़ाना होगा।

14 को हुई थी प्रारंभिक सुनवाई

कंपनियों की ओर से टैरिफ याचिका 1 दिसंबर को ही मप्र राज्य नियामक आयोग में पेश कर दिया गया था। इस पर 14 दिसंबर को प्रारंभिक सुनवाई हुई। तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की ओर से मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी ने सुनवाई में याचिका के पक्ष में जरूरी दस्तावेज पेश किए। 15 दिसंबर को नियामक आयोग ने टैरिफ याचिका स्वीकार कर ली है। अब आयोग की ओर से इसका प्रकाशन कराया जाएगा। फिर आम बिजली उपभोक्ताओं से आपत्तियां आमंत्रित कर तीनों कंपनियों के लोगों को अलग-अलग बात रखने का मौका दिया जाएगा।

तीसरी बार बिजली की दर बढ़ाने की तैयारी

प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को एक साल में ये तीसरा झटका देने की तैयारी है। इससे पूर्व 17 दिसंबर 2020 को कंपनी ने बिजली की दरों में 1.98 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की थी। दूसरी बार 30 जून 2021 को 0.69 प्रतिशत दर बढ़ाया गया। वहीं अब बिजली की दरों में 8.71 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की तैयारी है। बिजली मामलों के जानकार रिटायर इंजीनियर राजेंद्र अग्रवाल ने बिजली कंपनियों की मनमानी का विरोध किया है। आरोप लगाया कि एमपी में पड़ोसी राज्यों की तुलना में सबसे महंगी बिजली दी जा रही है। राज्य सरकार 100 यूनिट तक सब्सिडी देकर उपभोक्ताओं को राहत जरूत दे रही है, लेकिन कंपनी अधिकारियों की मनमानी पर नकेल कसने में विफल है। 8 प्रतिशत से अधिक बढ़ोत्तरी आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ उद्योगों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगा। कंपनियों को दर बढ़ाने की बजाए अपनी कार्यदक्षता बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

बिजली के बढ़े हुए बिलों को लेकर मैदान में उतरेगी यूथ कांग्रेस

भोपाल यूथ कांग्रेस अब बिजली के बढ़े हुए बिलों को लेकर मैदान में कूद रही है। शुक्रवार से तीन दिन तक आंदोलन किया जाएगा और इस दौरान बिजली के बिजलों की होली जलाई जाएगी, वहीं बढ़े हुए बिजली के बिल अधिकारियों और भाजपा के जनप्रतिनिधियों को सौंपे जाएंगे। कोरोना काल में जो बिल माफ करने या उन पर छूट देने की घोषणा की गई थी, वे बिल अभी भी बढ़े हुए आ रहे हैं। कहीं-कहीं तो छूट का फायदा मिलने के बाद भी पुरानी राशि बिलों में जुड़कर आ रही है। इसको लेकर अब यूथ कांग्रेस प्रदेश के सभीं जलों में आंदोलन करने जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने बताया कि लोगों को नोटिस पर नोटिस दिए जा रहे हैं और उन पर बढ़े हुए बिल भरने का दबाव बनाया जा रहा है।

होशंगाबाद, भोपाल जिले के ठेकेदारों ने सरेंडर की खदानें

भोपाल। सरकार को रेत खदानों से बड़ा झटका लगा है। सबसे ज्यादा रेत, रॉयल्टी देने वाले होशंगाबाद और भोपाल जिला रेत समूह के ठेकेदारों ने खदानें सरेंडर कर दी हैं। इससे भोपाल, इंदौर सहित करीब 12 से ज्यादा जिलों में रेत का संकट बढने् की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले दो वर्ष के अंदर होशंगाबाद रेत खदान समूह को दो ठेकेदार सरेंडर कर चुके हैं।

खरगोन जिले के रेत खदान समूह के ठेकेदार का ठेका समर्पण प्रस्ताव सरकार ने वापस कर दिया है। खनिज साधन विभाग ने ठेकेदार से कहा है कि पहले पुरानी बकाया राशि और रॉयल्टी जमा करो, इसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू करेंगे। विभाग ने शिवपुरी, छतरपुर, रीवा, राजगढ़, रायसेन, धार, शाजापुर और आलीराजपुर जिले के रेत खदानों का ठेका आठ माह पहले ही सस्पेंड कर दिया है।

पन्ना, भिंड और रतलाम जिले के ठेकदारों ने खदानें समर्पित कर दी हैं। इन खदानों के ठेकेदार रॉयल्टी और ठेके की किस्तें नहीं चुका रहे थे। आगर मालवा और उज्जैन जिले की रेत खदानें लेने के लिए ठेकेदार शुरू से ही रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इन खदानों को नीलाम करने के लिए दो साल में तीन बार टेंडर भी जारी किए गए, लेकिन एक भी ठेकेदार इसमें शामिल नहीं हुए। कुल मिलाकर प्रदेश में अब तक करीब 15 खदानें सरेंडर और सस्पेंड की जा चुकी हैं।

ठेकेदारों ने कहा, रियल एस्टेट मार्केट मंदा: रेत खदानें सरेंडर करने वाले ठेकेदारों का कहना है कि रियल एस्टेट का काम मंदा हो गया है। इसके चलते रेत खदानों की किस्तें निकालना मुश्किल हो रहा है। पिछले वर्ष कोरोना और लॉक डाउन के चलते रेत नहीं बिकी थी। मालूम हो कि अकेले होशंगाबाद रेत ठेकेदार करीब तीन सौ करोड़ रुपए हर साल रॉयल्टी देता था।

नहीं हुई नीलामी

सरकार ने रेत खदानों की नीलामी तहसील और ब्लॉक स्तर पर करने के लिए नीति तैयार कर ली है, लेकिन इन रेत खदानों की अभी तक नीलामी नहीं हुई है। अब भोपाल और होशंगाबाद रेत खदानें सरेंडर होने के बाद प्रदेश कई जिलों में रेत का संकट और अवैध उत्खनन का कारोबार बढ़ जाएगा। क्योंकि जब लोगों को सहज और सुलभ रेत नहीं मिलेगी तो इसकी ब्लैक मार्केटिंग और चोरी होने लगेगी।

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा द्वारा मनाया गया युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विपिन का जन्मदिन

शिवपुरी --अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के जिलाध्यक्ष अवदेश कुशवाह के नेतृत्व मैं कुशवाहा महासभा और ओबीसी महासभा के पदाधिकारी एवं पुरानी पेंशन संघ के पदाधिकारीयो ने अखिल भारतीय कुशवाह महासभा के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विपिन कुशवाहा का जन्मदिन पर्यटक स्थान भदैया कुंड पर बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। जन्म दिन मैं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पुत्र सोनूमल कुशवाहा भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय कुशवाहा अखिल भारतीय पत्रकार अनिल कुशवाहा, नीरज कुशवाहा, जनक सिंह रावत राष्ट्रीय संयोजक ओल्ड पेंशन संघ ओबीसी महासभा के युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हेमंत यादव, सुरेंद्र धाकड़, रवि कुशवाहा ,भगवान सिंह धाकड़, अन्य मित्रों के साथ जन्मदिन की बधाई दी एवं सामुहिक भोज का आयोजन किया गया

खौड मे ग्रामीणों ने उत्साह से लगवाई कोरोना वैक्सीन

वैक्सीन डे पर ग्रामीणों ने चिकित्सालय में लगवाई कोरोना वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज

पुष्पांजलि टुडे। पाली

पाली रानी। खौड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर शुक्रवार को मेगा वैक्सिंग डे के अवसर पर ग्रामीणों ने उत्साह से कोरोना वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज लगवाई। महा अभियान में ग्रामीणों ने 376 डोज लगवाई। इस दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ.मोहनलाल प्रजापत ने कहा कि वैक्सीन के इस महा अभियान को सफल बनाने मैं पूरी मेडिकल टीम मुस्तैद है। वहीं चिकित्सा टीम घर घर जाकर कोरोना वैक्सीन के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। सरपंच दुर्गा दाधिच ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि जिन्होंने पहली व दूसरी डोज नहीं लगवाई है उनको वैक्सीन लगाकर अपना सामाजिक दायित्व निभाते व अपने जीवन को सुरक्षित रखने के बारे में कहा। उप सरपंच मालमसिंह मेड़तिया ने सभी ग्रामीणों से अपील करते हुए अधिक से अधिक संख्या में ग्रामीण चिकित्सालय पहुंचकर वैक्सीन लगाकर अपने जीवन को बचाने के बारे में कहा। पूर्व सरपंच रुपेश दाधीच ने आम जन से अपील करते हुए कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी के बचाव के लिए वैक्सीन लगाना जरूरी है सभी ग्रामीण अपनी जिम्मेदारी को समझते वैक्सीन लगावे। इस मौके पर सरपंच दुर्गा दाधीच, उपसरपंच मालमसिंह मेड़तिया, पूर्व सरपंच रुपेश दाधीच, डॉ. उमेश समोटा, मेल नर्स बुधाराम आगलेसा, अरुणेश भाटी, प्रदीप सीरवी, एएनएम साली कुट्टी, एएनएम अनीता कुमारी मीणा, किरणसिंह चौहान, ओपाराम मेघवाल, जीतु गोयल, रमेश चौधरी, वीरेंद्रसिंह भाटी, प्रवीण मेघवाल आदि मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव से बिजली कंपनी की चांदी, प्रत्याशियों को बताया जा रहा दादा, चाचा का बकाया बिल

चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी को बिजली कंपनी का नो ड्यूज जमा करना है

भोपाल। पंचायत चुनाव से बिजली कंपनी की चांदी हो गई है। जिला पंचायत, जनपद सदस्य व सरपंच का चुनाव लडने् के लिए बिजली कंपनी का नो ड्यूज भी जमा करना है, ताकि स्पष्ट हो सके उनके ऊपर कोई बिल बकाया नहीं है। यह नो ड्यूज लेने चुनाव उम्मीदवार कंपनी के कार्यलयों में पहुंच रहे हैं। बकाया बिल जमा होने की स्थिति देखते हुए कंपनी द्वारा चुनाव के उम्मीदवारों को उनके दादा, माता-पिता, चाची-चाची व भाई के बकाया बिल भी बताए जा रहे हैं। इसके चलते कार्यालयों में झगड़े की स्थिति भी बन रही है।

गौरतलब है कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर बिजली बिल बकाया हैं। यह बकाया कृषि पंप व घरेलू उपभोक्ताओं पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिल वसूलना काफी मुश्किल है, लोगों में बिल भरने की प्रवृत्ति नहीं है। इस कारण बकाया बढ़ता जा रहा है।

वर्तमान में बकाया वसूलने के लिए

अधिकारियों के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। लाइन स्टाफ को भी वसूली के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। पंचायत चुनाव की घोषणा हुई और नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हुई तो लोग कंपनी के कार्यालय में पहुंचने लगे। बकाए का नो ड्यूज लेने के लिए आवेदन करने लगे। लाइन स्टाफ ने भी परिवारों के बकाए की कुंडली तैयार कर ली है। नो ड्यूज लेने वाले के परिवार के भी बकाए बताए जाने लगे हैं।

उम्मीदवार बदलवाने लगे खराब ट्रांसफार्मर

पंचायत चुनाव के उम्मीदवारों के सामने मतदाता भी शर्ते रखने लगे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ट्रांसफार्मर खराब पड़े हैं, लेकिन बकाया होने से ट्रांसफार्मर नहीं बदले जा रहे थे। अब सरपंच के उम्मीदवार वोट मांगने पहुंचने लगे हैं तो लोग ट्रांसफार्मर की मांग करने लगे हैं। उम्मीदवार बकाया बिल की दस फीसदी राशि जमा करके ट्रांसफार्मर बदलने की मांग कंपनी से कर रहे हैं। इससे नए ट्रांसफार्मरों की डिमांड भी आने लगी है। फीडर सेपरेशन योजना के तहत गांव में छोटे ट्रांसफार्मर लगाए थे, लेकिन लोड अधिक होने से बड़ी संख्या में फुंक चुके हैं। चुनाव के चलते यह ट्रांसफार्मर भी बदल जाएंगे और कंपनी को बकाया भी मिलने लगा है।

सात साल बाद आए चुनाव

पंचायत चुनाव सात साल बाद हो रहे हैं। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार काफी परिस्थितियां बदली हैं। पुराने सरपंचों को देखते हुए इस बार उम्मीदवारों की संख्या बढने् के आसार हैं। इस चुनाव में पैसा भी खर्च खूब हो रहा है।

ऑनलाइन क्लास में मोबाइल फटा आठवीं के स्टूडेंट का मुंह झुलसा

सतना। सतना में आठवीं कक्षा का छात्र ऑनलाइन पढ़ाई करते-करते घायल हो गया। दरअसल, बच्चा मोबाइल से पढ़ाई कर रहा था और मोबाइल में ब्लास्ट हो गया। छात्र का एक हाथ और चेहरा ब्लास्ट के कारण लहूलुहान हो गया। परिजन घायल छात्र को नजदीकी अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर छात्र को मेडिकल कालेज जबलपुर रैफर किया गया।

हादसा जिले के चंदकुइया गांव का रहने वाला है। जहां एक निजी विद्यालय में पढ़ने वाला आठवीं कक्षा का छात्र रामप्रकाश भदौरिया (15) जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। दरअसल, छात्र फोन पर ऑनलाइन क्लास कर रहा था और तभी मोबाइल में तेज ब्लास्ट हो गया। फोन में हुए अचानक ब्लास्ट के चलते छात्र का मुंह और नाक का हिस्सा लहूलुहान हो गया। जैसे ही परिजनों ने ब्लास्ट की आवाज सुनी, वैसे ही वे बेटे के कमरे के तरफ दौड़ गए और छात्र को घायल देख परिजन उसे आनन-फानन में नागौद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

घायल के परिजनों का कहना है कि रामप्रकाश दूसरे कमरे में बैठकर मोबाइल से पढ़ रहा था। तभी अचानक से उसके कमरे से जोरदार ब्लास्ट की आवाज आई। आवाज सुनकर हम डर गए और उसके कमरे की तरफ दौड़े। जहां उसके चेहरे से खून निकल रहा था। हम तुरंत उसे स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए।

जबलपुर रैफर किया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद रामप्रकाश को सतना जिला अस्पताल रैफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी छात्र की हालत यूं ही गंभीर रही। जिसके चलते उसे सतना से जबलपुर रैफर कर दिया। डॉक्टर्स का कहना है कि छात्र का मुंह और नाक का हिस्सा पूरी तरह से मोबाइल ब्लास्टिंग के चपेट में आ गया। बच्चे का इलाज जारी है, जल्द ही ये स्वस्थ हो जाएगा।

प्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक होगा आनंद उत्सव

मुख्यमंत्री ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को किया संबोधित

अनेक राज्य आनंद विभाग की गतिविधियों का अनुसरण करने के इच्छुक

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में 14 से 28 जनवरी 2022 तक आनंद उत्सव आयोजित किया जाएगा। हाल ही में वाराणसी में विभिन्न राज्य में संचालित नवाचारों पर हुए प्रस्तुतिकरण में मध्यप्रदेश की ओर से आनंद विभाग पर केंद्रित प्रस्तुतिकरण किया गया था। इसे विभिन्न राज्यों द्वारा बहुत सराहा गया। कई राज्य आनंद विभाग की गतिविधियों का अनुसरण करने के इच्छुक हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे-मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में आनंद विभाग की गतिविधियों को बढ़ाया जाएगा। इसमें अल्पविराम, आनंद घर, आनंद कैलेंडर और आनंद शिविर जैसी गतिविधियाँ संचालित होंगी। प्रदेश में वर्तमान में 170 स्थानों पर आनंद घर संचालित है। मुख्यमंत्री चौहान ने मंत्री साथियों को अपने विभागों की गतिविधियों में केंद्र से अधिक से अधिक सहयोग प्राप्त करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इन प्रयासों से प्रदेश में विकास और जन-कल्याणकारी गतिविधियों का और अधिक विस्तार हो सकेगा।

9 हजार करोड़ की समूह जल योजना को मंजूरी

भोपाल। मंत्रि-परिषद की बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल निगम के माध्यम से क्रियान्वित की जाने वाली समूह जल-प्रदाय योजनाओं को मंजूरी दी गई। 22 समूह जल-प्रदाय योजनाओं से 17 जिलों के 6117 गाँवों में प्रत्येक घर को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इन योजनाओं की लागत 9373 करोड़ 99 लाख है। परिवहन विभाग की डबरा जिला ग्वालियर स्थित डिपो की भूमि एवं भवन परिसम्पत्ति के निर्वर्तन के लिए ई-नीलामी में लगाई गई बोली में निविदाकार बोली मूल्य 5 करोड़ 52 लाख 75 हजार तथा परिवहन विभाग की वार्ड क्र. 23, ए.बी. रोड, गुना स्थित गुना बस स्टेंड एवं सब-डिपो स्थित भूमि एवं भवन परिसम्पत्ति के निर्वर्तन के लिए ई-नीलामी में 1 निविदाकार की बोली मूल्य 32 करोड़ एक लाख के अनुमोदन का अनुबंध/रजिस्ट्री का निष्पादन कलेक्टरों द्वारा किये जाने का निर्णय लिया गया।

'स्वतंत्रता आंदोलन में भारतीय वैज्ञानिकों का योगदन' विषय पर 'वास्तुकला रचना प्रतियोगिता' का शुभारंभ

भोपाल। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा है कि वास्तु विज्ञान एक ऐसा विज्ञान है जो जीवन के हर पहलु को स्पर्श करता है। यह हमारे मूल उद्देश्य को लेकर जीवन में कुछ बेहतर करने के लिए हमें एक ऐसे सांचे में ढालता है जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी देखा और महसूस किया जा सकता है। मंत्री श्री सखलेचा शुक्रवार को मैनिट के सिविल विभाग के सभागार में 'भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भारतीय वैज्ञानिकों का योगदान' विषय पर राष्ट्रीय स्तर की वास्तुकला रचना प्रतियोगिता का शुभारंभ कार्यक्रमों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस प्रतियोगिता की उपयोगिता बताते हुए युवाओं को भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के लिए हमारे देश के वैज्ञानिकों का भी अहम योगदान रहा है और ये विषय भारत के लोगों के बीच गंभीरता से रखा जाना चाहिए। हमारे वैज्ञानिकों के त्याग और देश के लिए किए गए कार्यों को जनमानस में प्रदर्शित करना, जाकरूकता फैलाना अब हमारा कर्तव्य है।

श्री सखलेचा ने वास्तु विज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनियाभर के लोग भारतीय प्राचीन कला को देखने आते हैं एवं अध्ययन करते हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से पुराने ख्याल दुनिया के सामने उजागर होंगे जिसे आने वाले पीढ़ी तक स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी मंथन कर अपने विचार पेश करेंगे और जिन्हें अपने इतिहास में सम्मान नहीं मिला है उसे हम अब सम्मान दिलाएंगे। जयंत सहस्त्रबुद्धे ने तथ्यपूर्ण उद्बोधन में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में विभिन्न वैज्ञानिकों की भूमिका, उनके संघर्ष और उनके बलिदान पर प्रकाश डाला। साथ ही जहां डॉ अमोघ गुप्ता ने प्रतियोगिता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया, वहीं डॉ एन. एस. रघुवंशी ने अपने व्यक्तव्य में स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न पहलुओं से आज के युवाओं को परिचित कराने में ऐसी प्रतियोगिताओं की भूमिका पर बल दिया। इसके अलावा डॉ राजीव कुमार ने अपने उद्बोधन में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा युवाओं को देश की संस्कृति से परिचित कराने किये जा रहे प्रकल्पों के बारे में बताया। डॉ. सुधीर सिंह भदौरिया ने अपने व्यक्तव्य में युवाओं की असीमित संभावनाओं और राष्ट्र-निर्माण के लिये उनके संकल्पों की महत्ता के बारे में बताया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही इस वास्तुकला रचना प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय वैज्ञानिकों के अतुलनीय योगदान को एक स्मारक और संग्रहालय के रूप में प्रस्तुत कर ना सिर्फ सम्मान और पहचान देना है, बल्कि भारतीयों की वर्तमान पीढ़ियों के समक्ष उस योगदान को एक अत्यंत रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत भी करना है।

पकडे गये साथी की जमानत के लिये आया था, 30 हजार का फरार इनामी जालसाज

कई राज्यो मे हजारो लोगो को मछली पालन मे इंवेस्ट कराने का लालच देकर ढाई अरब की ठगी करने वाले गैगं का एक ओर आरोपी धराया

भोपाल। प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में मछली पालन में इंवेस्ट कर मोटे मुनाफे का लालच देकर धोखाधड़ी करने वाला गिरोह गिरोह के एक ओर 30 हजार के इनामी जालसाज को पुलिस ने नादरा बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक यह गैंग देश भर में लगभग दो हजार लोगों से करीब ढाई अरब रुपये की ठगी कर चुका है।

कोहेफिजा थाना पुलिस के अनुसार गिरोह का मास्टरमांइड बिजेंद्र कुमार कश्यप ने विनय शर्मा के साथ मिलकर फिश फार्च्यून प्रोड्यूस कंपनी बनाई थी। कंपनी का हेड ऑफिस गुरुग्राम हरियाणा में बनाया गया था। कंपनी के कर्ताधर्ता किसानों को उनकी जमीन पर तालाब खुदवाकर उसमें मछ्ली पालन कर मुनाफे का लालच देते थे। इसके लिये कंपनी मे इंवेस्ट कराने के लिये शातिरो ने तीन प्लान बनाए थे। पहला दो लाख 75 हजार रुपये। दूसरा पांच लाख 50 हजार रुपये एवं तीसरा 11 लाख रुपये के निवेश का था। कंपनी ने राजधानी में हलालपुरा बस स्टैंड के पास आफिस खोला था। यहां टीम लीडर प्रहलाद शर्मा था, ओर राजेंद्रसिंह राजपूत उसका सहयोगी अधिकारी था। ये लोग किसानों से संपर्क करने के बाद उनकी जमीन पर तालाब की खुदवाई करवाने, नेटजाल लगवाने, सीसीटीवी कैमरे लगवाने, मछ्ली के बच्चे देने आदि के नाम पर पैसा निवेश करवाते थे। इसके बाद सारी रकम हडप लेते थे। कंपनी के लोगों के खिलाफ भोपाल के अलावा राजगढ़, विदिशा, धार, सागर व छिंदवाडा में धोखाधड़ी के केस दर्ज हैं। इस गिरोह की मप्र के अलावा छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की पुलिस को भी तलाश है। जब तक निवेश करने वाले फरियादियो को उनकी जालसाजी की भनक लगी तक तक ऑफिस बंद कर कंपनी के कर्ताधर्ता नौ दौ ग्यारह हो गए थे। बीते दिनों पुलिस ने गिरोह के मास्टकर मांइडं बिजेंद्र कश्यप को हरियाणा से गिरफ्तार किया था, जो फिलहाल भोपाल जेल में बंद है। पुलिस को सूचना मिली कि बिजेंद्र की जमानत कराने के लिए उसका साथी विनय शर्मा (24) भोपाल आया हुआ है। इसके बाद पुलिस ने घेराबदीं कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पकडाया गया आरोपी विनय हरियाणा का रहने वाला है।

इंदौर में लगातार दूसरे दिन सबसे ज्यादा 8 केस

भोपाल। मध्यप्रदेश में 24 घंटे में 18 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। बुधवार को मिले संक्रमितों में लगातार दूसरे दिन इंदौर में सबसे ज्यादा 8 केस आए हैं। भोपाल में 5 मरीज मिले हैं। उज्जैन में बडन्गर के शासकीय पीजी कॉलेज के प्रोफेसर संक्रमित आए हैं। वह विदिशा से शादी अटेंड कर लौटे हैं। नरसिंहपुर, खरगोन में 1-1, कटनी में 2 मरीज मिले हैं। प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 170 पहुंच हो गई है।

प्रदेश में 28 दिनों में 447 संक्रमित मिल चुके हैं। सबसे ज्यादा भोपाल में 186 और इंदौर में 163 मरीज हैं। भोपाल में अभी 66 एक्टिव केस हैं। इनमें 28 होम आइसोलेशन में और 38 अस्पताल में भर्ती हैं। प्रदेश में 7 लाख 93 हजार 425 कोरोना संक्रमित अब तक मिल चुके हैं। इनमें से 7 लाख 82 हजार 725 लोग ठीक हो चुके हैं। कोरोना के कारण 10 हजार 529 की जान जा चुकी है। बुधवार को 17 मरीज ठीक हुए। करीब 59 हजार सैंपल जांच करने लिए गए।

कचरे के ढेर के फोटो भेजने वाले के नम्बर पर तत्काल भेजे जाएंगे 51 रुपए

संबंधित अधिकारी से होगी वसूली

संभागीय आयुक्त एवं निगम आयुक्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए अधिकारियों को निर्देश

ग्वालियर। शहर में स्वच्छता के प्रति जनजागरुकता लाने एवं जन-जन को स्वच्छता अभियान में भागीदार बनाने के उददेश्य से निगम द्वारा स्वच्छता प्रोत्साहन अभियान चलाया जाए, जिसमें शहर में किसी भी गली, मोहल्ले, मुख्य मार्ग एवं कॉलोनी में कचरे के ढेर का फोटो एवं उस स्थान का सही नाम पता एसबीएम सेल के व्हॉटसप नम्बर पर भेजने वाले के नम्बर पर फोन पे, गूगल पे या पेटीएम के माध्यम से तत्काल 51 रुपए प्रोत्साहन के रुप में भेजे जाएंगे तथा संबंधित वार्ड के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी या डब्ल्यूएचओ के वेतन से 101 रुपए की वसूली की जाएगी। उक्ताशय के निर्देश संभागीय आयुक्त एवं निगम प्रशासक श्री आशीष सक्सैना ने स्वच्छता समीक्षा के लिए आयोजित वीडियो कांफ्रेसिंग में सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। वीसी में नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल, सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त सहित सभी क्षेत्राधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, डब्ल्यूएचओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागीय आयुक्त एवं निगम प्रशासक श्री आशीष सक्सैना द्वारा शहर की साफ सफाई व्यवस्था की मॉनीटरिंग के लिए नियमित रुप से निगम के अधिकारियों एवं सभी क्षेत्राधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से चर्चा की जाती है। इसी के तहत आज वीसी के दौरान संभागीय आयुक्त श्री सक्सैना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में साफ सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने एवं आमजनों की सहभागिता स्वच्छता में करने के लिए लगातार जनजागरुकता अभियान चलाएं, इसके साथ ही आमजनों व दुकानदारों को कचरा सडक पर न फैलाने के लिए प्रेरित करें और बार-बार समझाने पर भी नहीं मानने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही करें।

संभागीय आयुक्त श्री सक्सैना ने निर्देश दिए कि शहर के सभी कचरा ट्रांसफर स्टेशनों की नियमित मॉनीटरिंग हो कि प्लांट में प्रतिदिन कितना सेग्रीकेटेड कचरा वाहनों के माध्यम से आ रहा है यदि किसी भी वाहन में क्षमता का 90 फीसदी से कम कचरा आता है तो उसे पुनः चक्कर लगाने के लिए आदेशित करें और लगातार वाहन क्षमता से कम कचरा लाने वाले चालक एवं हेल्पर के खिलाफ कार्यवाही करें। वहीं जिन वाहनों पर हैल्पर की समस्या है उन वाहनों में हैल्पर की व्यवस्था संबंधित डब्ल्यूएचओ द्वारा की जाए।

इसके साथ ही शहर की डेयरियों से निकलने वाले गोबर को प्रतिदिन क्षेत्रीय कार्याल्य पर संलग्न ट्रेक्टर ट्रॉली के माध्यम से एकत्र करवाकर गौशाला भिजवाना सुनिश्ति करें। शहर में उपयोग हो रही सिंगल यूज प्लास्टिक जो कि प्रतिबंधित है का उपयोग बंद कराने के लिए जनजागरुकता एवं जुर्माने की कार्यवाही करें।

साथ ही शहर को वाटर प्लस प्लस कैटेगरी में शामिल करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत उसके लिए निर्धारित मानकों को हिन्दी में प्रदर्शित कर उनका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए जिससे आमनागरिकों को समझाने में कठिनाई न हो। वहीं वार्ड मॉनीटर स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए समस्त सीटी-पीटी में आवश्यकतानुसार रंगाई, पुताई एवं शिफ्ट अनुसार एक-एक केयरटेकर की व्यवस्था संबंधित विधानसभा क्षेत्र के अपर आयुक्त के माध्यम से कराएं। वहीं इंदौर में स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के अवलोकन के लिए ग्वालियर से दल भेजे जाएं।

संक्षिप्त समाचार

निगमायुक्त ने किया फूलबाग से किलागेट तक बनने वाली सड़क का निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा फूलबाग चौराहे से किलागेट तक बनाइ जा रही सड़क का निरीक्षण आज नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देश दिये कि सड़क का निर्माण समय सीमा में एवं गुणवत्तापूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य समनव्यक अधिकारी श्री सुशील कटारे, क्षेत्राधिकारी श्री अशोक गुप्ता एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि नगर निगम ग्वालियर द्वारा आमजनों की सुविधा के लिए 10 करोड 89 लाख रूपये की लागत से फूलबाग चौराहे से किलागेट तक लगभग 3.5 किमी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य प्रारंभ होने से पूर्व आज शुक्रवार को निगमायुक्त श्री कन्याल ने उक्त सड़क का निरीक्षण किया तथा विभिन्न स्थानों पर सड़क की चौडाई आदि के संबंध में जानकारी ली एवं कई स्थानों पर सड़क की चौडाई को अपने सामने नपवाया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सुगम यातायात के लिए मास्टर प्लान के अनुसार सड़क का निर्माण किया जाए तथा सड़क निर्माण इस प्रकार से किया जाए कि यातायात सुचारू रहे। संबंधित अधिकारियों द्वारा बताया कि सड़क की चौडाई फूलबाग चौराहे के पास 30मी. एवं किलागेट चौराहे के पास 18मी. है। इसके साथ ही अन्य आवशयक जानकारियां भी बताई गईं। निगमायुक्त श्री कन्याल ने निरीक्षण के दौरान सड़क पर होने वाली विद्युत पोल शिफ्टिंग, नाली निर्माण आदि सहित अन्य कार्यों की भी जानकारी ली तथा सभी संबंधित विभागों के समनव्य से शीघ्र ही सड़क का निर्माण करने के निर्देश दिये।

ऊर्जा मंत्री ने किया सिविल अस्पताल हजीरा का निरीक्षण

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने हजीरा सिविल अस्पताल

में नवीन भवन के निर्माण कार्य की प्रगति देखी तथा अस्पताल प्रबंधन, लोकनिर्माण विभाग के अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और नगर निगम अधिकारियों के साथ मौके पर निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अस्पताल प्रबंधन के साथ समीक्षा की। इसके साथ ही सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजो का स्वास्थ्य हाल एवं अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवा के बारे में जानकारी ली।

निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक 18 दिसम्बर को

ग्वालियर। जिले में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन की प्रक्रिया जारी है। इस क?ी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 18 दिसम्बर को निर्वाचन कार्य से संबंधित सभी नोडल व सहायक नोडल अधिकारी तथा रिटर्निंग व सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की बैठक बुलाई है। इस दिन यह बैठक सायंकाल 5 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में होगी।

तानसेन समारोहः 2021

30 दिसम्बर को स्थानीय अवकाश

ग्वालियर। तानसेन समारोह के अंतिम दिन यानि गुरूवार 30 दिसम्बर को ग्वालियर जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने इस दिन अतिरिक्त स्थानीय अवकाश घोषित करने का आदेश जारी किया है। छुट्टी का यह आदेश बैंक एवं कोषालयों के लिये लागू नहीं होगा।

बंदी नसीम उर्फ गोलू की मृत्यु की न्यायिक जाँच के सिलसिले में साक्ष्य माँगे

ग्वालियर। केन्द्रीय जेल ग्वालियर में निरूद्ध रहे विचाराधीन बंदी नसीम उर्फ गोलू की मृत्यु के कारणों की न्यायिक जाँच की जा रही है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री पुष्पेन्द्र सिंह के न्यायालय द्वारा यह जाँच की जा रही है। इस संबंध में 15 दिवस के भतीर साक्ष्य माँगे गए हैं। केन्द्रीय जेल ग्वालियर में निरूद्ध रहे विचाराधीन बंदी नसीम उर्फ गोलू पुत्र हुसैन शाह आयु 23 वर्ष निवासी ल?याना मोहल्ला थाना कोतवाली जिला छतरपुर म.प्र. की गत 14 दिसम्बर 2021 को दोपहर 12.50 बजे मृत्यु हो गई थी। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई अभ्यावेदन, शपथ पत्र या साक्ष्य प्रस्तुत करना हो तो वह 15 दिवस के भीतर प्रातः 11 बजे जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर ग्वालियर स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री पुष्पेन्द्र सिंह के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है।

शहर के नए वार्डों के सुनियोजित विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी : श्री भारत सिंह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने वार्ड-62 में किया सड़क का भूमिपूजन

ग्वालियर। ग्वालियर शहर से जुड़े नए वार्डों के सुनियोजित विकास के लिये प्रदेश सरकार धन की कमी नहीं आने देगी। विशेष कार्य योजना के तहत नए वार्डों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा। इसी के तहत प्रमुखता के साथ शहर के नए वार्डों में पक्की सड़कें बनवाई जा रही हैं। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कही। श्री कुशवाह नगर निगम के वार्ड 62 के अंतर्गत बेहटा हाईवे से खेरिया मिर्धा तक डाम्बरीकृत सड़क निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पूरी नेक नियत के साथ हर वर्ग के कल्याण के लिये काम कर रही है। साथ ही विकास कार्यों को भी तेज गति से अंजाम दे रही है। प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने इस अवसर पर स्थानीय लोगों से रूबरू होकर उनकी कठिनाईयां एवं समस्यायें सुनीं। साथ ही समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

यातायात प्रबंधन के लिये लोगो को विश्वास में लेकर करें कार्रवाई

गूगल मीट के माध्यम से यातायात प्रबंधन की सांसद श्री शेजवलकर ने की समीक्षा

ग्वालियर। यातायात प्रबंधन के लिये सभी से चर्चा कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने यातायात प्रबंधन के संबंध में गूगल मीट के माध्यम से आयोजित बैठक में यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि जिला यातायात प्रबंधन समिति की बैठक में जिन बिंदुओं पर निर्णय हो गया है उस पर अमल भी तेजी के साथ किया जाए। जिन विभागों को कार्य करने की जवाबदारी सौंपी गई थी, उनके द्वारा किए गए कार्य की भी समीक्षा की जाए। क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने गूगल मीट के माध्यम से यातायात प्रबंधन के लिये ठोस रणनीति बनाकर कार्य करने की बात भी कही। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित इस बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, एडीएम श्री एच बी शर्मा, एडिशनल एसपी सुश्री हितिका वासल सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। सांसद श्री शेजवलकर ने बैठक में यह भी कहा कि यातायात में बाधक जो विद्युत पोल हैं उनको शिफ्ट करने की कार्रवाई शीघ्रता से की जाए। इसके लिये आवश्यक हो तो ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर से भी चर्चा कर नगर निगम तत्परता से उक्त कार्य को पूर्ण करे। दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र (ब्लैक स्पॉट) को ठीक करने की कार्रवाई भी शीघ्रता से की जाए। सभी ब्लैक स्पॉट क्षेत्र के आसपास सूचना पटल लगाने का कार्य भी शीघ्र किया जाए। बैठक में यह भी कहा गया कि तीन पहिया वाहन टेम्पो का 10 साल के बाद नवीनीकरण न करने के निर्णय का पालन भी सुनिश्चित किया जाए। शहर में ऐसे कितने वाहन हैं उन्हें चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई भी पुलिस एवं परिवहन विभाग करे। महाराज बाड़े पर ऑटो टेम्पो प्रतिबंध के संबंध में दोनों यूनियनों के पदाधिकारियों से चर्चा कर आम सहमति बनाई जाए, उसके बाद ही कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सांसद श्री शेजवलकर ने बैठक में यह भी कहा कि नगर निगम द्वारा शहर में पाँच स्थानों पर मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण तो किया गया है लेकिन इनमें पार्किंग नहीं हो रही है। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर निगम संयुक्त रूप से कार्रवाई कर सभी पार्किंगों में नागरिक पार्किंग करें ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए आवश्यक हो तो सड़क पर पार्किंग करने वालों के विरूद्ध जुर्माने की कार्रवाई भी की जाए।

कलयुग में प्रभु का संकीर्तन ही मुक्ति का कारण होगा सच्चा गुरु जीवन को सार्थक कर देता है : श्री सुनील आनंद महाराज

ग्वालियर। जी.वाई.एम.सी प्रांगण अचलेश्वर पर आयोजित भागवत के तृतीय दिवस श्री सुनील आनंद महाराज ने कहा कि कल्युग में प्रभु का संकीर्तन मुक्ति का कारण होता है। सच्चा गुरु जीवन को सार्थक कर देता है कल्पना को साकार करने वाले प्रतिभा वान व्यक्ति होते हैं ध्यान से स्वप्नों को विजन में बदल सकते हैं भक्ति में इतनी शक्ति होना चाहिए कि परमात्मा सानिध्य में आए समता की दृष्टि से परमात्मा को पाया जा सकता है आज उन्होंने सती अनुसुइया, भोले शंकर की बारात, भोले शंकर का जीवन वृतांत, एवं अन्य प्रश्नों पर चर्चा की। आज कार्यक्रम में सुबह की आरती के लिए पूर्व लोक अभियोजक जगदीश शर्मा, जागेश्वर सिंह भदोरिया, राजेंद्र शर्मा, पंकज पालीवाल, कविंद्र बुधौलिया, उपस्थित थे शाम की आरती में मनोज कोठारी, पूर्व जिला अध्यक्ष हाईकोर्ट बार एसोसिएशन श्री ओपी नायक, जी एवं सुरेंद्र सिंह परिहार, महेंद्र शुक्ला, दिनेश पाराशर, अतुल प्रधान, शैलेंद्र जबरिया, सुनील सोनी, श्रीमती नंदनी शर्मा, सारिका प्रधान, श्रीमती शशि प्रधान, सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शहर विकास के मुद्दों पर अधिकारियों से की चर्चा

कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

ग्वालियर। शहर विकास के कार्यों को तेजी के साथ किया जाए। इसके साथ ही जनकल्याण की योजनाओं का लाभ भी पात्र लोगों को समय पर मिले, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल पर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं की चर्चा करते हुए यह बात कही।

विकास के मुद्दों पर आयोजित इस बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह उपस्थित थीं।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि बहो?पुर एवं हजीरा चौराहे का सौंदर्यीकरण कार्य तेजी के साथ किया जाए। इन चौराहों को जन आकर्षण का केन्द्र भी बनाएँ, इसके लिये स्मार्ट सिटी ड्राइंग डिजाइन तैयार कर काम को तेजी से कराए। इन चौराहों पर आकर्षक लाइटिंग भी की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी द्वारा तैयार किए गए कांचमिल, आनंदनगर और लक्ष्मण तलैया स्थित उद्यानों को भी और व्यवस्थित करने का कार्य किया जाए तथा इनके देखरेख की भी स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उद्यानों में आम जनों की सुविधा के लिये लाइटिंग, योग और बच्चों के लिये जिम की व्यवस्था भी बेहतर की जाए।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बैठक में कहा कि नगर निगम किलागेट से फूलबाग तथा हजीरा से किलागेट तक के स?क निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ करे, इन स?कों के बन जाने से वहां के निवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधायें उपलब्ध होंगीं। स?क निर्माण के समय सुगम यातायात व्यवस्था बनी रहे, इसके लिये ट्रैफिक पुलिस भी ट्रैफिक प्लान तैयार कर कार्य सुनिश्चित करें। स?क निर्माण के दौरान लोगों को यातायात की समस्या न आए। बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने नगर निगम आयुक्त से कहा कि लक्ष्मणपुरा, मरीमाता, शीलनगर में सामुदायिक भवन, संजीवनी क्लीनिक के लिये उपलब्ध कराएँ, ताकि इन बस्तियों में आम जनों को स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु संजीवनी क्लीनिक प्रारंभ किए जा सकें। उन्होंने जेसीमिल क्षेत्र के निवासियों को आवासीय पट्टे उपलब्ध कराने हेतु शिविर लगाने की बात भी कही।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478